Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
# साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वास्तु गुरुजी

वर्ष : 3 अंक : 188 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, शनिवार 18 जुलाई, 2026 www.sakarbharat.com

### अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित सरोना एवं बालोद रेलवे स्टेशन का शुभारंभ

# रेलवे के आधुनिकीकरण से यात्री सुविधाओं, व्यापार, पर्यटन व क्षेत्रीय विकास को मिलेगी नई गति: सीएम

*रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में रायपुर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) दयानन्द ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित सरोना एवं बालोद रेलवे स्टेशनों के उद्घाटन समारोह के लिए केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की ओर से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को आमंत्रण पत्र भेंट किया। भेंट के दौरान अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत सरोना एवं बालोद रेलवे स्टेशनों पर विकसित आधुनिक यात्री सुविधाओं, अधोसंरचना उन्नयन तथा स्टेशनों के नए स्वरूप को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।*

#### मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से रायपुर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) दयानन्द ने की सौजन्य भेंट

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना भारतीय रेलवे को आधुनिक, सुरक्षित, सुगम और यात्री-केंद्रित बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है, जिसका लाभ सीधे आम नागरिकों और प्रदेश के समग्र विकास को मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय रेलवे आज अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। देशभर के रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं, बेहतर यात्री सेवाओं और विश्वस्तरीय अधोसंरचना से सुसज्जित किया जा रहा है, जिससे विकसित भारत के संकल्प को नई गति मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि विकास, व्यापार, पर्यटन और जनसुविधाओं की जीवनरेखा है। रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरोना एवं बालोद रेलवे स्टेशनों के उन्नयन से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ में आधुनिक रेल अधोसंरचना का विस्तार तेज़ी से हो रहा है। रेल संपर्क के सुदृढ़ होने से प्रदेश में निवेश, उद्योग, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा आम नागरिकों का आवागमन अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित बनेगा।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को वर्चुअल माध्यम से देशभर में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित एवं नवीनीकृत रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण करेंगे। इस योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को आधुनिक, सुगम, सुरक्षित एवं यात्री-अनुकूल बनाकर देश की परिवहन व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है।

## SHORT NEWS

### जीवित कर्मचारी को सरकारी रिकॉर्ड में बताया मृत, हाई कोर्ट ने निरस्त किया आदेश

**बिलासपुर ।** सरकारी तंत्र की लापरवाही का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां जीवित व्यक्ति को सरकारी रिकॉर्ड में मृत घोषित कर उसकी नौकरी समाप्त कर दी गई। मामले की सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने सरगुजा कमिश्नर के आदेश को निरस्त कर कर्मचारी को राहत दी और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। मामला जशपुर जिले के मनोरा तहसील के ग्राम गजमा का है। यहां मरियानुस एक्का ग्राम पंचायत में कोटवार के पद पर कार्यरत थे। उनकी नियुक्ति को लेकर सुबोध कुमार तिर्की ने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई थी, जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद मामला अपील के रूप में सरगुजा कमिश्नर के पास पहुंचा।

### बिलासपुर में 20 साल बाद बाढ़ के हालात

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 20 साल में पहली बार बाढ़ के हालात बने हैं। शहर के हर इलाके में पानी भर गया है। सरकंडा और चांटीडीह के नीचले इलाके में 40 से अधिक लोगों का रेस्क्यू किया गया। कई जगह से ट्रांसफार्मर डूबने से ब्लैकआउट की स्थिति है। स्कूलों में आज छुट्टी कर दी गई है। रेलवे ट्रैक डूबने से 5 रूश्वरूट्रेनें रद्द और 3 ट्रेन का रूट बदला गया है। जिले में पिछले 24 घंटे में औसतन 74.7 मिमी बारिश हुई है। सीपत में सबसे ज्यादा 110.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। दोमुहानी में 10 से ज्यादा घर टापू बन गए।

### जयंत वैष्णव बने सीएम सुरक्षा के नए एसपी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय ने मुख्यमंत्री सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जयंत वैष्णव को आगामी आदेश तक मुख्यमंत्री सुरक्षा का पुलिस अधीक्षक (एसपी) नियुक्त किया गया है। इस संबंध में आदेश पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने जारी किया है। जयंत वैष्णव वर्तमान में पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा), विशेष शाखा, पुलिस मुख्यालय रायपुर के पद पर पदस्थ हैं। अब वे मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

## नक्सल साए से निकलकर हरित ऊर्जा का मॉडल बना ठेनही

**रायपुर।** सामूहिक सोलर पावर प्लांट स्थापित करना न केवल पर्यावरण संरक्षण के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह निरंतर आय, सस्ती बिजली और आत्मनिर्भरता का एक बेहतरीन माध्यम है। आप सरकार के माध्यम से आवासीय समूह की सहायता से आसानी से प्लांट लगवा सकते हैं। जो इलाका कभी नक्सल प्रभावित होने के कारण विकास की मुख्यधारा से दूर छूट रहा था, आज वह देश की सबसे आधुनिक हरित ऊर्जा क्रांति की अगुवाई कर रहा है। धमतरी जिले का सुदूर वनांचल गाँव ठेनही (नगरी विकासखंड) जिले का ऐसा पहला गाँव बन गया है, जहाँ सामूहिक सोलर पावर प्लांट स्थापित कर 71 परिवारों के जीवन को रोशन किया गया है। यह सफलता केवल बिजली आने की कहानी नहीं है, बल्कि यह अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने की प्रशासनिक प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है। ग्राम ठेनही के अधिकांश घरों की छतें पक्की नहीं बल्कि खपरैल की हैं, जिसके कारण छतों पर व्यक्तिगत सोलर पैनल लगाना संभव नहीं था। इस चुनौती का समाधान विद्युत विभाग और प्रशासन ने मिलकर निकाला। गाँव से महज 50-75 मीटर की दूरी पर उपलब्ध खाली जमीन पर 142 किलोवॉट क्षमता का एक बड़ा सामूहिक सोलर प्लांट खड़ा किया गया। वेंडरों द्वारा सब्सिडी की राशि से ही गाँव के सभी 71 परिवारों का 2-2 किलोवॉट के लिए पंजीयन किया गया। ग्रामीणों को इसके लिए जेब से एक भी पैसा नहीं देना पड़ा।

## इतिहास से छेड़छाड़ पर सख्त सरकार, भ्रामक जानकारी देने वाले अफसरों पर होगी कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक धरोहरों से जुड़े तथ्यों में कथित गड़बड़ी का मामला विधानसभा में गूंजा। बिलासपुर जिले के प्राचीन स्थल मल्हार से मिले राजा बालार्जुन के ताम्रपत्रों की भाषा और लिपि को लेकर संस्कृति विभाग द्वारा सदन में दी गई जानकारी पर सवाल उठे। मामले की गंभीरता को देखते हुए संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने जांच कराने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

#### विधायक ने उठाया गलत जानकारी का मुद्दा

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यक्रम 'मन की बात' और आकाशवाणी के आधिकारिक दस्तावेजों में इन ताम्रपत्रों को पाली भाषा और ब्राह्मी लिपि में लिखा बताया था। इसके विपरीत, संस्कृति विभाग ने विधानसभा में प्रस्तुत अपने लिखित उत्तर में इनकी भाषा संस्कृत और लिपि ब्रह्मी दर्ज कर दी। विधायक ने सवाल किया कि जब प्रधानमंत्री द्वारा प्रमाणिक जानकारी साझा की जा चुकी है, तो विभाग ने अलग तथ्य किस आधार पर पेश किए? उन्होंने इसे प्रदेश के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

विधायक ने यह भी पूछा कि वर्ष 1987 में मिले इन ऐतिहासिक ताम्रपत्रों को वर्तमान में कहां सुरक्षित रखा गया है। जवाब में विभाग ने स्वीकार किया कि ये ताम्रपत्र फिलहाल संजीव पाण्डेय नामक स्थानीय नागरिक के संरक्षण में हैं।

#### विपक्ष ने मांगा तत्काल निलंबन

मामले पर सदन में पक्ष और विपक्ष दोनों ने चिंता जताई। वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर ने इसे गंभीर लापरवाही बताया, जबकि नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि सदन को गलत जानकारी देने वाले अधिकारी को तत्काल निलंबित किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग ने सदन को गुमराह किया है।

#### मंत्री बोले- होगी विस्तृत जांच

लगातार उठ रहे सवालों के बीच मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि पूरे मामले की विस्तृत जांच कराई जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि यह पता लगाया जाएगा कि विभाग के रिकॉर्ड में अलग जानकारी कैसे दर्ज हुई। जांच में जो भी अधिकारी भ्रामक तथ्य प्रस्तुत करने का दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

## ई-20 कार विवाद: मारुति सुजुकी उपभोक्ता आयोग के आदेश को देगी चुनौती

**रायपुर।** जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, रायपुर के आदेश को मारुति सुजुकी इंडिया अदालत में चुनौती देने की तैयारी में है। आयोग ने कंपनी को एक ग्राहक की कार को 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई-20) अनुकूल वाहन से बदलने का निर्देश दिया था। कंपनी ने इस आदेश पर असहमति जताते हुए कहा है कि वाहन पहले से ही ई-20 अनुकूल था और ईंधन में मिलावट के कारण समस्या आई।

मारुति सुजुकी इंडिया ने जारी बयान में कहा कि संबंधित कार ई-20 पेट्रोल के उपयोग के लिए पूरी तरह सक्षम थी। कंपनी के अनुसार ग्राहक के वाहन से निकाले गए ईंधन की जांच में मिलावट के प्रमाण मिले हैं। कंपनी का दावा है कि मामले से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्यों को आदेश में शामिल नहीं किया गया है। कंपनी ने कहा कि वह कानून के अनुसार उचित उच्च मंच पर इस आदेश को चुनौती देने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। साथ ही कंपनी ने गुणवत्ता, सुरक्षा और ग्राहक संतुष्टि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

**यह है पूरा मामला:** कचना निवासी डॉ. देवराज देवता ने 3 जून 2024 को मारुति की कार खरीदी थी। उनका आरोप था कि ई-20 मिश्रित पेट्रोल डालने के बाद वाहन का इंजन खराब हो गया। इसके बाद उन्होंने जिला उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराई।

## सुशासन तिहार बना किसानों की उम्मीदों का आधार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित किए गए सुशासन तिहार-2026 आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। शासन की मंशा के अनुरूप जिले में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण किया जा रहा है, जिससे पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ शीघ्र पहुंच रहा है। इसी कड़ी में मरवाही विकासखंड के

ग्राम उषाड़ निवासी कृषक श्री विनय अभिषेक सिंह की मांग पर कृषि विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें शासन की योजना के अंतर्गत अनुदान पर धान की रोपाई के लिए आधुनिक रोपा लगाने की मशीन उपलब्ध कराई है।

श्री विनय अभिषेक सिंह ने सुशासन तिहार के जिला स्तरीय समाधान शिविर में आवेदन प्रस्तुत कर धान की रोपाई को अधिक सरल, तेज, कम श्रमसाध्य और कम लागत वाला बनाने के लिए आधुनिक रोपा लगाने की मशीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सुशासन और संवेदनशील प्रशासन की कार्यशैली के अनुरूप आवेदन प्राप्त होते ही कृषि विभाग ने आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ की। विभाग ने सीएचएएमपीएस प्रणाली के माध्यम से किसान का पंजीयन कर पात्रता के अनुसार अनुदान स्वीकृत कराया और शीघ्र ही उन्हें आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध करा दिया।

## कैदी की सजा माफी अटकी, रिकॉर्ड गायब होने पर हाईकोर्ट सख्त

**बिलासपुर।** आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी की सजा माफी याचिका पर सुनवाई नहीं होने के मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। रिकॉर्ड गायब होने के कारण लंबित पड़े मामले में हाईकोर्ट ने रायपुर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश से जवाब तलब किया है।

मामला कैदी नवाब खान उर्फ डैनी उर्फ बाबा खान से जुड़ा है, जो पिछले 16 वर्षों से जेल में बंद है। उसे वर्ष 2011 में हत्या के मामले में दोषी ठहराते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई थी। कैदी ने सजा में छूट के लिए आवेदन किया था, लेकिन मूल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के कारण प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट को बताया गया कि जेल अधीक्षक द्वारा रिकॉर्ड मांगे जाने पर रायपुर जिला एवं सत्र न्यायालय के सक्षम अधिकारी ने लिखित रूप से जानकारी दी कि प्रकरण का मूल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि 16 वर्षों से सजा काट रहे कैदी की सजा माफी याचिका पर निर्णय नहीं होना न्याय के उद्देश्य के विपरीत है। कोर्ट ने रायपुर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश से पूछा है कि वर्ष 2011 में दिए गए फैसले का रिकॉर्ड गायब कैसे हुआ।

## छत्तीसगढ़ विधानसभा से पारित हुआ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक-2026

## जोखिम आधारित बिजनेस परमिशन व्यवस्था लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा छत्तीसगढ़

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने उद्योग और कारोबार को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। छत्तीसगढ़ विधानसभा ने आज 'छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक, 2026' पारित कर दिया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए जोखिम आधारित (रिस्क बेस्ड) एवं विश्वास आधारित (ट्रस्ट बेस्ड) बिजनेस परमिशन सिस्टम लागू होगा।

इस विधेयक का उद्देश्य उद्योगों एवं कारोबार की स्थापना और संचालन संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाना, अनावश्यक अनुपालनों को कम करना तथा विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अधिक पारदर्शी, तेज और उद्यम-अनुकूल व्यावसायिक वातावरण तैयार करना है।

विधेयक के तहत उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का वर्गीकरण उनके आकार और गतिविधियों की प्रकृति के आधार पर विभिन्न जोखिम श्रेणियों में किया जाएगा। कम जोखिम वाले छोटे कारोबारों को सरल एवं त्वरित मंजूरी मिलेगी, जबकि अधिक जोखिम वाली परियोजनाओं के लिए आवश्यक तकनीकी परीक्षण और समयबद्ध स्वीकृति की व्यवस्था पूर्ववत जारी रहेगी। इससे छोटे कारोबारियों को बड़े उद्योगों जैसी जटिल प्रक्रियाओं से नहीं गुजरना पड़ेगा।

नई व्यवस्था के अंतर्गत कम जोखिम वाले उद्यमों में बार-बार होने वाले विभागीय निरीक्षणों के स्थान पर सेल्फ सर्टिफिकेशन अथवा लाइसेंसधारी अभियंता, आर्किटेक्ट या अन्य अधिकृत पेशेवरों द्वारा प्रमाणन की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे अनुमतियों की प्रक्रिया तेज, सरल और अधिक जवाबदेह बनेगी।

विधेयक के तहत हर वर्ष लाइसेंस या अनुमति के नवीनीकरण की अनिवार्यता समाप्त कर जोखिम आधारित अनुमति प्रणाली लागू की जाएगी। इससे उद्यमियों को अनावश्यक औपचारिकताओं से राहत मिलेगी और वे अपने कारोबार के विस्तार एवं संचालन पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

एमएसएमई इकाइयों के लिए जल प्रदाय संबंधी अनुमति स्व-घोषणा के आधार पर, सोसायटी अथवा फर्म का पंजीयन समयबद्ध प्रक्रिया से तथा भवन अनुज्ञा सेल्फ सर्टिफिकेशन अथवा अधिकृत विशेषज्ञ के प्रमाण-पत्र के आधार पर प्रदान की जा सकेगी। निर्धारित समय-सीमा में संबंधित विभाग द्वारा निर्णय नहीं लेने की स्थिति में पात्र मामलों में अनुमति स्वत: स्वीकृत (ऑटो अप्रूवल) मानी जाएगी। हालांकि अधिक जोखिम वाली परियोजनाओं में तकनीकी परीक्षण एवं भौतिक निरीक्षण की व्यवस्था यथावत लागू रहेगी।

विधेयक के अंतर्गत राज्य शासन के 8 विभागों द्वारा प्रदान की जाने वाली 43 सेवाओं को जोखिम आधारित अनुमति प्रणाली के दायरे में शामिल किया गया है। आवश्यकता अनुसार कार्यपालिका परिषद की मंजूरी से अतिरिक्त सेवाएं भी इसमें जोड़ी जा सकेंगी।

विधेयक के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए त्रिस्तरीय निगरानी व्यवस्था बनाई गई है। राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति तथा जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति इसके क्रियान्वयन और अनुश्रवण की जिम्मेदारी निभाएगी। दोनों समितियां मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली परिषद के मार्गदर्शन में कार्य करेंगी।

# सहकारी समितियों में 45144 मीट्रिक टन एवं निजी क्षेत्र में 18589 मीट्रिक टन उर्वरकों का भंडारण

**राजनांदगांव ।** राजनांदगांव जिले में खरीफ 2026 अंतर्गत धान, मक्का, सोयाबीन, अरहर, उड़द, मूंग सहित अन्य फसलों की बुवाई का कार्य प्रगतिरत है। किसानों के लिए खाद-बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि किसानों को किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को किसानों को खाद-बीज उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। जिले में खरीफ 2026 हेतु 14331 क्विंटल बीज की मांग के विरूद्ध 14686 क्विंटल बीज भंडारण कराकर 13700.82 क्विंटल बीज किसानों को समिति एवं कृषि विभाग के माध्यम से वितरण कराया गया है। बीजों का भंडारण वर्तमान लक्ष्य के विरूद्ध 102 प्रतिशत हैं एवं भंडारण के विरूद्ध वितरण 93 प्रतिशत है।

अद्यतन 112884.92 हेक्टेयर रकबा में खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जिसमें धान फसल की 111339 हेक्टेयर रकबा में की बुवाई व रोपाई का कार्य पूर्ण हो चुका है।

खरीफ फसलों के लिए रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु इस वर्ष सहकारी क्षेत्र में 45650 मीट्रिक टन एवं निजी क्षेत्र में 23310 मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य के विरूद्ध 45144 मीट्रिक टन उर्वरक सहकारी समितियों में एवं निजी क्षेत्र में लक्ष्य के विरूद्ध 18589 मीट्रिक टन उर्वरकों का भंडारण किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य का 92 प्रतिशत है। जिले में लक्ष्य की तुलना में सहकारी एवं निजी क्षेत्रों से यूरिया 23561 मीट्रिक टन, एसएसपी 8570 मीट्रिक टन, एमओपी 3259 मीट्रिक टन, डीएपी 4704 मीट्रिक टन एवं एनपीके 11443 मीट्रिक टन किसानों को वितरण किया जा चुका है, जो कि भंडारण की तुलना में 80 प्रतिशत हैं। उप संचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने सभी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं से अपील की है कि किसानों को उर्वरकों के उठाव में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो तथा किसानों को खाद एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

# राय गौरव रामप्रवेश ने संभाला बलौदाबाजार-भाटापारा के पुलिस अधीक्षक का पदभार

**बलौदाबाजार ।** भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) 2019 बैच के अधिकारी राय गौरव रामप्रवेश ने गुरुवार को बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के नए पुलिस अधीक्षक के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वे दंतेवाड़ा जिले में पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे। पुलिस कार्यालय पहुंचने पर निवर्तमान पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा ने उनका स्वागत करते हुए विधिवत जिले का प्रभार सौंपा। इस अवसर पर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी नवपदस्थ एसपी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह (बलौदाबाजार), हेमसागर सिदार (भाटापारा), एसडीओपी भाटापारा तारेश साहू, डीएसपी कौशल किशोर वासनिक (कैंप कसडोल), डीएसपी संजय साहू

(यातायात), डीएसपी श्रीमती उषा सोन्धिया तथा निरीक्षक उषा ठाकुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पदभार ग्रहण करने के बाद एसपी राय गौरव रामप्रवेश ने अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराध नियंत्रण तथा जन-केंद्रित पुलिसिंग को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों का विश्वास पुलिस पर और मजबूत हो, इसके लिए संवेदनशील एवं प्रभावी पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

## जीवनदीप समिति के साधारण सभा हेतु सदस्य मनोनीत

**राजनांदगांव ।** स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य विभाग मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव के अनुमोदन पश्चात जिले में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं में जीवनदीप समिति के साधारण सभा सदस्य के लिए गणमान्यजनों को जीवन दीप समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। जिला चिकित्सालय राजनांदगांव के जीवनदीप समिति की साधारण सभा हेतु गुरूमुख दास वाधवा, राजेश श्यामकर, भागचंद गिडिया, अरविंद सिन्हा, कांती कुमार फुले, आनंद साहू एवं संदीप भट्टाचार्य को सदस्य मनोनीत किया गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सोमनी के जीवनदीप समिति की साधारण सभा हेतु लक्ष्मण यदु, हेमंत साहू, कृष्णा तिवारी, महेश साहू, रामबिलास साहू, जनपद सदस्य डुमेश साहू को सदस्य मनोनीत किया गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घुमका के जीवनदीप समिति की साधारण सभा हेतु विनोद बारले, नोहेन्द्र सिन्हा, गोविंद सेन, अजय ठाकुर, केदार साहू, जनपद सदस्य अश्वनी मुकेश साहू को सदस्य मनोनीत किया गया है।

# राजा गिरिराज किशोर दास बोले : पौधे लगाना ही नहीं, उनकी सुरक्षा भी हमारी जिम्मेदारी

**छुईखदान ।** भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के पावन अवसर पर जगन्नाथ मंदिर परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छुईखदान के राजा गिरिराज किशोर दास एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कोमल दास साहू के नेतृत्व में पौधे लगाए गए। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजा गिरिराज किशोर दास ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अक्सर सुरक्षा के अभाव में लगाए गए पौधे नष्ट हो जाते हैं और बड़े वृक्ष बनने से पहले ही खत्म हो जाते हैं। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों से पौधों की रक्षा करने और उन्हें वृक्ष बनने तक संकल्प के साथ संभालने की अपील की।

वहीं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कोमल दास साहू ने कहा कि जो व्यक्ति पेड़ लगाता है, उस पर ईश्वर की विशेष कृपा बनी रहती है। उन्होंने कहा कि पेड़ मानव जीवन के लिए अमूल्य धरोहर हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए।

कार्यक्रम में छोटे राजा देवराज किशोर दास जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सज्जाक खान, सचिव सुशीलकांत पांडे, रिंकू गुप्ता, सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया।

# राम जन्मभूमि ट्रस्ट मामले की सुप्रीम कोर्ट निगरानी में जांच की मांग

**बलौदाबाजार ।** वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं जिला कांग्रेस कमेटी बलौदाबाजार-भाटापारा के प्रभारी अमितेश शुक्ला ने अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में चढ़ावे और दान से जुड़ी कथित अनियमितताओं की सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि यह मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है, इसलिए इसकी सच्चाई देश के सामने आना आवश्यक है। शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भगवान श्रीराम, सनातन धर्म और देशवासियों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करती है। यदि मंदिर निर्माण और सेवा के लिए प्राप्त दान एवं चढ़ावे के

उपयोग को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं, तो उनकी पारदर्शी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह केवल आर्थिक अनियमितता का विषय नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास और भावनाओं से जुड़ा मामला है। उन्होंने मांग की कि पूरे प्रकरण की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में न्यायिक जांच कराई जाए, दान एवं चढ़ावे का फोरेंसिक ऑडिट कराया जाए तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पुनर्गठन की भी मांग की। पत्रकार वार्ता जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे के नेतृत्व में आयोजित हुई।

# परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने किया रेलवे ठेकेदार पर एफआईआर दर्ज

**डोंगरगढ़ ।** रेलवे द्वारा तीसरी लाइन निर्माण कार्य में बोरतलाव क्षेत्र से पेटी ठेकेदारों के द्वारा किसान की जमीन को समतली करण के नाम पर पचासों किसानों की भूमि से पंचायत की अनुमति के बगैर जगह जगह अवैध उत्खनन कर गहरा गड्ढा कर दिया गया था जिससे ग्रामवासियों में आक्रोश था और उक्त स्थान पर घटना दुर्घटना की संभावनाएं को लेकर पूर्व में अनेकों बार शिकायत की गई थी उसके बावजूद शासन प्रशासन की लापरवाही के कारण तीन मासूमों की असमय मौत से प्रदेश में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि बोरतलाव के गांधीनगर बड़े तालाब जाने वाले मार्ग पर बुधवार को हुई हृदयविदारक हादसे में पानी से भरे मुरूम के गहरे गड्ढे में डूबने से तीन मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों की शिकायत पर बोरतलाव पुलिस ने रेलवे के कार्य से जुड़े ठेकेदार एवं उसके सहयोगियों के खिलाफ

लापरवाही का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार ग्राम बोरतलाव निवासी राजू मंडावी (59) ने थाना बोरतलाव में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका पुत्र और बहू रोजगार के सिलसिले में सूरत में रहते हैं, जबकि उनके पोते दानिश मंडावी (7 वर्ष) और कृष मंडावी (8 वर्ष) उनके साथ रहते थे। 15 जुलाई को दोनों बच्चे पड़ोसी हितेश कोकाटे (5 वर्ष) के साथ घर से निकले थे, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटे।

शाम करीब 6 बजे परिजनों ने बच्चों की तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान राजू कोडबती के खेत के समीप स्थित पानी से भरे मुरूम के गड्ढे के किनारे बच्चों के कपड़े मिले। इसके बाद ग्रामीणों और परिजनों ने गड्ढे में तलाश की, जहां से तीनों बच्चों के शव बरामद किए गए।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संबंधित स्थान पर रेलवे के तीसरी रेल लाइन निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार द्वारा बड़े पैमाने पर मुरूम और मिट्टी का उत्खनन कराया गया था। उत्खनन के बाद गड्ढों का समतलीकरण या भराव नहीं कराया गया, जिससे बारिश का पानी भर गया और खेत खतरनाक जलाशय बन गया। गड्ढे के आसपास न तो सुरक्षा घेराबंदी की गई थी और न ही किसी प्रकार का चेतावनी बोर्ड लगाया गया था। परिजनों का आरोप है कि ठेकेदार और उसके सहयोगियों की गंभीर लापरवाही के कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। बोरतलाव पुलिस ने शिकायत के आधार पर रेलवे ठेकेदार एवं उसके सहयोगियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में यह भी स्पष्ट हुआ है कि जिस स्थान पर हादसा हुआ वह खसरा नंबर 504/1 की भूमि है। प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक बिरजू राम ने बताया कि घटना वाले दिन स्कूल में अवकाश जैसी स्थिति थी। शिक्षक फेडरेशन की हड़ताल के कारण संकुल की अधिकांश प्राथमिक शालाएं बंद थीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मृतक दोनों बच्चे पड़ोस में रहने के कारण सामान्य दिनों में साथ आते-जाते थे, लेकिन घटना वाले दिन विद्यालय का संचालन नहीं हुआ था। रेलवे ने पल्ला झाड़ा, स्थानीयों ने उठाए सवाल पूरे मामले में रेलवे अधिकारियों का कहना है कि हादसा स्थल रेलवे सीमा क्षेत्र से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर स्थित है, इसलिए घटना से रेलवे का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है।

# देश के श्रेष्ठ 250 शिक्षकों में बलौदाबाजार की चित्रा साहू, राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत सम्मान से नवाजी गई

**बलौदा बाजार ।** बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा विकासखंड की एक और शिक्षिका ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सफलता का परचम लहराया है। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, कोलिहा में पदस्थ शिक्षिका श्रीमती चित्रा साहू को उनकी उत्कृष्ट शिक्षण शैली और नवाचारों के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत सम्मान-2026 से विभूषित किया गया है।

रायपुर के शांतिनगर स्थित वीमतारा में आयोजित एक गरिमामय समारोह में देशभर के चुनिंदा शिक्षकों के बीच उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। यह पूरा आयोजन पूर्व प्रधानपाठक स्वर्गीय हरिवंश मिश्र की पुण्यतिथि को समर्पित था।

**कड़े पैमानों पर परखी गई दावेदारी:** इस राष्ट्रीय सम्मान की रेस में देशभर से करीब 700 शिक्षकों ने आवेदन किया था। चयन प्रक्रिया को पूरी तरह

पारदर्शी रखने के लिए राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों के उच्चस्तरीय पैनल ने सभी आवेदनों का बारीकी से मूल्यांकन किया। गहन जांच और भौतिक सत्यापन (फिजिकल वेरिफिकेशन) के बाद देशभर से केवल 250 उत्कृष्ट शिक्षकों का अंतिम चयन किया गया, जिसमें चित्रा साहू ने बाजी मारी।

इसलिए बनीं नंबर वन = चित्रा साहू के ये प्रयास रहे सबसे अलग शिक्षिका चित्रा साहू को यह सम्मान उनके विद्यालय में किए गए निम्नलिखित उल्लेखनीय बदलावों और शिक्षण पद्धतियों के लिए दिया गया है। उन्होंने बच्चों को कठिन वैज्ञानिक सिद्धांतों और कला को आपस में जोड़कर बेहद आसान व रोचक तरीके से सिखाया। रटने की पुरानी पद्धति को बदलकर पूरी तरह से छात्र-केंद्रित और प्रयोगात्मक शिक्षण को बढ़ावा दिया। बच्चों को किताबों के ज्ञान के अलावा पर्यावरण संरक्षण और नैतिक मूल्यों की व्यावहारिक शिक्षा देकर सजग नागरिक बनाया। स्कूल के विकास के साथ-साथ स्थानीय समुदाय (पालकों और ग्रामीणों) को भी शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा।

# विशेष अभियान के तहत 5 हजार से अधिक किसानों का कराया गया एग्रीस्टेक पंजीयन

**राजनांदगांव ।** कलेक्टर जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में एग्रीस्टेक परियोजना के अंतर्गत जिले में आज विशेष अभियान चलाकर 5 हजार से अधिक किसानों को फार्मर लैंड आईडी (एग्रीस्टेक) पंजीयन एवं सत्यापन के लिए सेवा सहकारी समितियों, लोक सेवा केन्द्रों तथा चॉइस सेंटरों द्वारा किया गया। कृषि विभाग, राजस्व विभाग एवं पंचायत विभाग के समन्वित प्रयास से किसानों को आवश्यक सहयोग प्रदान करते हुए उनकी भूमि संबंधी जानकारी का सत्यापन एवं सुधार कराया गया। यह अभियान आगामी धान खरीदी, डिजिटल गिरदावरी तथा कृषि योजनाओं में पारदर्शिता एवं किसानों को सुविधा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

है। विशेष अभियान के तहत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, राजस्व विभाग के पटवारी, पंचायत विभाग के ग्राम सचिव तथा अन्य मैदानी अधिकारियों ने किसानों से सीधे संपर्क कर उन्हें निकटतम सेवा सहकारी समिति अथवा लोक सेवा केन्द्र तक पहुंचाया। यहां किसानों की फार्मर लैंड आईडी में छूटे हुए खसरों एवं भूमि के रकबे को जोडऩे तथा आवश्यक सुधार की कार्रवाई की गई। इसके लिए सभी सेवा सहकारी समितियों में ऑपरेटरों की जिम्मेदारी तय की गई थी, वहीं लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम से भी किसानों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया गया।

कृषि विभाग ने बताया कि किसानों की फार्मर लैंड आईडी में सभी खसरे अथवा भूमि का पूरा रकबा दर्ज नहीं है, उनके भूमि संबंधी डिजिटल रिकॉर्ड अपूर्ण माने जाएंगे। ऐसी स्थिति में आगामी डिजिटल क्रॉप सर्वे (डिजिटल गिरदावरी) के दौरान फसल का सही रिकॉर्ड दर्ज कराने में तकनीकी कठिनाइयां आ सकती हैं। साथ ही भविष्य में विभिन्न कृषि योजनाओं, डिजिटल भूमि अभिलेखों एवं अन्य ऑनलाइन सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में भी परेशानी हो सकती है। जिला प्रशासन ने सभी किसानों से अपील की है कि यदि उनकी फार्मर लैंड आईडी में किसी भी प्रकार का खसरा अथवा भूमि का रकबा दर्ज होने से छूट गया है, तो वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने निकटतम सेवा सहकारी समिति, लोक सेवा केन्द्र अथवा चॉइस सेंटर पहुंचकर अपनी भूमि आईडी का सत्यापन एवं आवश्यक सुधार कराने की अपील की गई है।

# बेटियों से दरिंदगी पर फूटा गुस्सा, 'जीवनदान' ने न्यायालय के सामने किया प्रदर्शन

**राजनांदगांव ।** देश और प्रदेश में बेटियों के साथ बढ़ रहे दुष्कर्म और हत्या के जघन्य मामलों के खिलाफ आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। अपराधियों में कानून का खौफ पैदा करने और पीड़ित बेटियों को जल्द न्याय दिलाने की मांग को लेकर जीवनदान सेवा संस्था ने न्यायालय परिसर के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। संस्था ने दोटूक शब्दों में कहा कि अब न्याय के लिए मोमबत्तियां जलाने (कैंडल मार्च) के बजाय न्यायालयों के सामने आवाज बुलंद करने का समय आ गया है।

प्रदर्शन के दौरान संस्था के पदाधिकारियों ने वर्तमान न्याय प्रणाली की कतिपय विसंगतियों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म और हत्या जैसे संवेदनशील मामलों में भी अदालती फैसला आने में

अत्यधिक देरी होती है। इस लंबी कानूनी प्रक्रिया का फायदा उठाकर अपराधी किसी न किसी तरह से कानूनी राहत या रियायत पा लेते हैं। यही कारण है कि अपराधियों का मनोबल लगातार बढ़ रहा है और वे बेखौफ होकर क्रूर से क्रूरतम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। संस्था के सदस्यों ने हाल ही में छत्तीसगढ़ की सीमाओं से परे, राजस्थान में 13 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ 32 लोगों द्वारा किए गए सामूहिक दुष्कर्म की दिल दहला देने वाली घटना का जिक्र किया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि ऐसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में रोजाना हो। दोषियों को किसी भी हाल में रियायत न दी जाए और सीधे मृत्युदंड का प्रावधान हो। जब तक कानून व्यवस्था में कड़े बदलाव नहीं होंगे, तब तक समाज को भयमुक्त करना और बेटियों को सुरक्षित रखना असंभव है।

संस्था ने देशवासियों से एक विशेष और वैचारिक अपील करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि विरोध का तरीका बदला जाए। जब भी ऐसी कोई दुखद घटना घटे, तो सड़कों पर कैंडल मार्च निकालने या रैलियां करने के बजाय सीधे न्यायालयों के बाहर प्रदर्शन किया जाए। इससे न्याय व्यवस्था और प्रशासन पर त्वरित कार्रवाई का दबाव बनेगा। संस्था ने संकल्प लिया है कि भविष्य में भी वे ऐसे मामलों के विरोध में केवल न्यायालय के समक्ष ही अपनी आवाज बुलंद करेंगे। इस राष्ट्रव्यापी चिंता और स्थानीय आक्रोश के बीच आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे।

## भाटापारा में बंदूक की नोक पर ज्वेलरी व्यापारी से लूट

**बलौदाबाजार-भाटापारा ।** जिले के भाटापारा ग्रामीण थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह दिनदहाड़े हथियारबंद बदमाशों ने एक ज्वेलरी व्यापारी को निशाना बनाते हुए बंदूक की नोक पर सोने-चांदी से भरा बैग लूट लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश बाइक से फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने जिलेभर में नाकेबंदी कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। दुकान जाते समय वारदात पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित बलराम सोनी रोज की तरह गुरुवार सुबह करीब 9ः30 बजे ग्राम तरेंगा से अपनी ज्वेलरी दुकान के लिए ग्राम रोहरा जा रहे थे। वह बाइक से अकेले सफर कर रहे थे। इसी दौरान सुनसान रास्ते पर सामने से दो अलग-अलग बाइक पर सवार बदमाश पहुंचे और उनकी बाइक को जबरन रोक लिया। जान से मारने की धमकी देकर लूटा बैग पीड़ित के अनुसार, बदमाशों में से एक ने बंदूक तानकर जान से मारने की धमकी दी और उनके हाथ में मौजूद सोने-चांदी के जेवरों से भरा थैला छीन लिया। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। जेवरों के दस्तावेजों की भी जांच पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में व्यापारी लूटे गए जेवरों के संबंध में कोई बिल या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए हैं। इसलिए लूटे गए आभूषणों की वैधता और मात्रा की भी जांच की जा रही है।

### आशीष जायसवाल बने भाजपा ओबीसी मोर्चा के बिलासपुर संभाग सह प्रभारी

**भाटापारा।** भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव की सहमति व भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू की अनुशंसा पर प्रदेश मंत्री भाजपा आशीष जायसवाल को बिलासपुर संभाग obc मोर्चा का सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश की 52 त्न जनसंख्या वाले ओबीसी वर्ग को और अधिक मजबूती प्रदान करने और आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को गति देने के उद्देश्य से की गई है। अपनी नियुक्ति पर आशीष जायसवाल ने प्रदेश अध्यक्ष किरन सिंहदेव, भाजपा कोर कमेटी सदस्य शिवरतन शर्मा , प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू और ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, पार्टी ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, उसके लिए सदैव सक्रियता के साथ् संघठन के कार्यो का निर्वहन करूंगा।

### बरसते पानी में भी उमड़ा आस्था का सैलाब

# आधा किलोमीटर लंबी रथ यात्रा में 20 हजार श्रद्धालु शामिल, जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंजा गरियाबंद

गरियाबंद। मूसलाधार बारिश भी भगवान श्रीजगन्नाथ के भक्तों की आस्था को नहीं रोक सकी। गुरुवार शाम गरियाबंद में श्रीजगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा बारिश के बीच शुरू हुई और कुछ ही देर बाद मौसम साफ होते ही पूरा शहर 'जय जगन्नाथ' के जयघोष से गूंज उठा। करीब 15 से 20 हजार श्रद्धालुओं की मौजूदगी में लगभग आधा किलोमीटर लंबी रथ यात्रा नगर की सड़कों से होकर निकली। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का ऐसा संगम देखने को मिला कि पूरा शहर जगन्नाथमय हो गया।

श्री राम जानकी मंदिर, सिविल लाइन से प्रारंभ हुई रथ यात्रा का आयोजन श्री जगन्नाथ परिवार युवा बल, गरियाबंद के तत्वावधान में किया गया। भगवान श्रीजगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा भव्य रूप से सजे रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकले। जैसे ही रथ आगे बढ़ा, श्रद्धालु रथ की रस्सी खींचने के लिए उमड़ पड़े। यात्रा में युवा, महिलाएं, बच्चे, व्यापारी, विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे हजारों श्रद्धालु शामिल हुए।

रथ यात्रा श्री राम जानकी मंदिर से निकलकर भूतेश्वर चौक, तिरंगा चौक, कुम्हारापारा, सुभाष चौक, बजरंग चौक और मानस चौक होते हुए पुनः तिरंगा चौक पहुंची और पुराना मंगल बाजार में संपन्न हुई। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों के सामने खड़े होकर भगवान के दर्शन किए तथा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

यात्रा के दौरान तिरंगा चौक में समिति, नगर पालिका परिषद और राम राज युवा संगठन की ओर से श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया गया। भगवान की आरती उतारी गई, पुष्पवर्षा की गई और प्रसाद वितरित किया गया। इसके अलावा पूरे मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्वागत मंच बनाए गए, जहां श्रद्धालुओं ने भगवान का अभिनंदन कर मंगलकामनाएं कीं।

रथ यात्रा में जय अम्बे धूमल (रायपुर), साहू डीजे लाइट (दुर्ग), मां मेलोडी (जूनागढ़, ओडिशा), रितेश लेजर लाइट (कवर्धा), कालाहांडी कट्टपा टीम, राम सेतु चलित झांकी, श्री हरि संकीर्तन बालिका दल (गोहेकेल), मध्यप्रदेश के चिल्पी का बैगा लोक नृत्य तथा राजपुर की खेमिन बाई निषाद की छत्तीसगढ़ी फोक पंडवानी ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। धूमल और डीजे की गूंजती धुनों पर युवा जमकर झूमे, जबकि रंग-बिरंगी रोशनी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को उत्सव में बदल दिया।

धार्मिक मान्यता के अनुसार आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को भगवान श्रीजगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर भक्तों के बीच आते हैं। यह यात्रा भगवान के स्वयं अपने भक्तों तक पहुंचने का प्रतीक मानी जाती है। रथ यात्रा समाज में प्रेम, समरसता, सेवा और लोककल्याण का संदेश देती है तथा सभी वर्गों को एक सूत्र में जोड़ने वाली सनातन परंपरा का प्रतीक है।

पूरे आयोजन के दौरान प्रशासन और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद रही। देर रात तक श्रद्धालु भगवान श्रीजगन्नाथ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करते रहे।

## भाजपा नेता छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में हुए शामिल

**भाटापारा.।** भाटापारा-नगर में गुरुवार को रथयात्रा धूमधाम से मनाया गया है। भाजपा नेता छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा शंकर वार्ड स्थित लटूरिया महाराज मंदिर (जगन्नाथ मंदिर) में आयोजित रथ यात्रा में शामिल हुए।

भाटापारा के जगन्नाथ मंदिर में विशेष रस्म के साथ रथ यात्रा निकाली गई है। रथ यात्रा शुरू करने से पहले शिवरतन शर्मा ने प्रभु की प्रतिमा को हाथों से उठा कर रथ में विधि विधान से पुजा अर्चना कर बिठाया।

इस मौके पर शिवरतन शर्मा ने सभी प्रदेशवासियों को रथयात्रा की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व ओडिशा के लिए जितना बड़ा उत्सव है, उतना ही बड़ा उत्सव छत्तीसगढ़ के लिए भी है। महाप्रभु जगन्नाथ जितने ओडिशा के लोगों को प्रिय हैं, उतने ही छत्तीसगढ़ के लोगों को भी प्रिय हैं, और उनकी

जितनी कृपा ओडिशा पर रही है, उतनी ही कृपा छत्तीसगढ़ पर रही है।

आज भगवान जगन्नाथ जी, बलभद्र जी और सुभद्रा जी के मनहर संबंधों की रसस्नात विश्वप्रसिद्ध रथ यात्रा प्रारंभ हो रही है। भारतीयता के अलौकिक संस्कृति सौंदर्य से सुशोभित इस रथयात्रा उत्सव की आप सब श्रद्धावान को हार्दिक शुभकामनाएं। उक्त अवसर पर बड़ी संख्या में नगर सहित आस पास के ग्रामीण श्रद्धालु जन उपस्थित थे..।

## महाप्रभु जगन्नाथ, अपने बड़े भाई बलभद्र और लाडली बहन सुभद्रा के साथ निकले नगर भ्रमण

**राजनांदगांव ।** सकती । आज से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू हो गई है, सनातन धर्म में ओडिशा के पुरी में आयोजित होने वाली विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथयात्रा का विशेष और बेहद पवित्र महत्व है. हर साल आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को इस दिव्य यात्रा का शुभारंभ होता है.इस पावन अवसर पर महाप्रभु जगन्नाथ, अपने बड़े भाई बलभद्र और लाडली बहन सुभद्रा के साथ विशाल रथों पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले हैं शहर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दुर्गा मंदिर से भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा शाम के समय धूमधाम हर्षोल्लास के साथ बैंड बाजा के साथ से निकली, यात्रा के दौरान शहर में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर भोग प्रसाद लगाया और रथ को श्रद्धापूर्वक खींचा, भगवान जगन्नाथ की जयघोष के साथ माहौल भक्तिमय बन गया, इसके साथ ही बच्चों में भी आज रथ यात्रा को लेकर उत्साह देखा गया, बच्चों ने अपने हाथो में भगवान को लेकर नगर भ्रमण कर जगह-जगह प्रसाद वितरण किया । इस दौरान भगवान अपनी मौसी के घर मे 07 दिनो तक रहेंगे ।

## मुख्यमंत्री बाल संदर्भ शिविर में 84 कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, गंभीर बच्चों को दी गई दवाई

**खरसिया ।** महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सोमवार को खरसिया में मुख्यमंत्री बाल संदर्भ शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सेक्टर खरसिया शहरी और सेक्टर मदनपुर के कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें उचित स्वास्थ्य सलाह दी गई।

**84 बच्चों की हुई जांच**

शिविर में डॉ. खीरसागर द्वारा गंभीर कुपोषित और मध्यम कुपोषित बच्चों की जांच की गई। इसमें खरसिया शहरी से 59 और मदनपुर सेक्टर से 25 बच्चे शामिल रहे। शिविर में शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

**दवाई और फल वितरण**

गंभीर कुपोषित बच्चों को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दवाई खरीद कर दी गई। वहीं मध्यम कुपोषित बच्चों को अस्पताल से दवाई दिलवाई गई। शिविर में उपस्थित सभी बच्चों को फल भी वितरित किए गए।

**माताओं को दी गई पोषण संबंधी सलाह**

परियोजना अधिकारी श्रीमती पूनम कुर्रे ने कुपोषित बच्चों की माताओं से चर्चा कर उनके वजन और खान-पान को लेकर जरूरी सलाह दी। उन्होंने पोषण में सुधार के लिए घर में बनने वाले पौष्टिक आहार पर जोर दिया।

सेक्टर खरसिया शहरी की पर्यवेक्षक पुनीता जायसवाल और सेक्टर मदनपुर की पर्यवेक्षक बसंत मंजरी ने अपने-अपने क्षेत्र के कुपोषित बच्चों को शिविर में लाभ दिलवाया। साथ ही माताओं को बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने के लिए प्रेरित भी किया। महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से कुपोषण दूर करने के लिए इस तरह के शिविर लगातार आयोजित किए जाएंगे।

## कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने ली समीक्षा बैठकः प्रगति न होने पर वेतन रोकने के निर्देश

**बालोद ।** कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने डोंडीलोहारा विकासखंड मुख्यालय में स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमलों और अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ श्री सुनील कुमार चंद्रवंशी भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

**1. स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षाः लापरवाही पर सख्त रुख**

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आम जनता को बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के कड़े निर्देश दिए।

राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षाः उन्होंने विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली।

वेतन रोकने के निर्देशः कार्यों में संतोषजनक प्रगति नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की

और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों का वेतन रोकने के निर्देश जारी किए।

**2. महिला एवं बाल विकासः कुपोषण मुक्ति पर फोकस**

इसके पश्चात, कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की बैठक लेकर मैदानी अमलों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने आंगनबाड़ियों को पूरी तरह से कुपोषण मुक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली और इस दिशा में मिशन मोड पर काम करने को कहा।

**3. वृहद वृक्षारोपण अभियान**

बैठक में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए आगामी %वृहद वृक्षारोपण अभियान% की तैयारियों की भी समीक्षा की गई और इसके सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

**परिसर में हुआ पौधरोपण**

बैठक की समाप्ति के बाद पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा और जिला पंचायत सीईओ सुनील कुमार चंद्रवंशी ने विकासखंड मुख्यालय परिसर में गरिमापूर्ण ढंग से पौधरोपण किया।

## प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की दी गई जानकारी, विशेष अभियान जारी

### जिले में अब तक 4 हजार से अधिक हितग्राहियों के घरों में सोलर पैनल स्थापित

राजनांदगांव । कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार आज जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से एक ही दिन में 100 से अधिक प्रधानमंत्री सूर्य सभाओं का आयोजन किया गया। जिले के सभी जनपद पंचायतों की विभिन्न ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों में आयोजित इन सभाओं में नागरिकों को योजना के लाभ, सोलर रूफटॉप स्थापना की प्रक्रिया, प्राप्त होने वाली सब्सिडी तथा बिजली बिल में होने वाली बचत के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। जिले में अब तक 4 हजार से अधिक हितग्राहियों के घरों में सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे वे ऊर्जा उत्पादक बनने के साथ अतिरिक्त बिजली उत्पादन से आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर सभाओं में विद्युत विभाग, विभिन्न बैंकों तथा अधिकृत वेंडर्स के प्रतिनिधियों ने योजना से संबंधित पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, वित्तीय सहायता, ऋण सुविधा एवं तकनीकी पहलुओं की जानकारी देते हुए उपस्थित नागरिकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस दौरान अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों से योजना का लाभ उठाने की अपील भी की गई। उल्लेखनीय है कि जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिकाधिक लोगों को योजना से जोडने के लिए विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत लगातार प्रधानमंत्री सूर्य सभाओं एवं हितग्राही संपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को योजना की जानकारी प्रदान की जा रही है।

## शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, प्रधानमंत्री आवास, जल संरक्षण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लिया जायजा

**बेमेतरा ।** जिले में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तथा आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने आज नवागढ़ विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का व्यापक मैदानी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, ग्रामीण विकास तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं निर्माण कार्यों का स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को गुणवत्ता, पारदर्शिता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण यात्रा के दौरान कलेक्टर ने बेमेतरा से नवागढ़ प्रस्थान कर नांदल, खैरी, नवागढ़, मुरता का भ्रमण किया। उन्होंने प्रत्येक स्थल पर संचालित विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की

तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ग्राम नांदल में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत हितग्राहियों को वितरित किए जा रहे चावल, शक्कर एवं नमक की गुणवत्ता एवं उपलब्धता का जायजा लिया। उन्होंने भंडारण व्यवस्था, स्टॉक पंजी तथा वितरण प्रणाली का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं संचालक को निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए। कलेक्टर ने वितरण व्यवस्था में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने, रिकॉर्ड अद्यतन रखने तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं होने देने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक सुचारु रूप से पहुंचना सुनिश्चित किया जाए।

## रोज अपनी मित्रताओं को अपनेपन का एक आकार दें

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

आज की तेज़ रफ्तार और डिजिटल जीवनशैली में रिश्तों की परिभाषा तेजी से बदल रही है। खासकर मित्रता का रिश्ता, जो कभी विश्वास, अपनापन और त्याग का प्रतीक माना जाता था, अब कई बार केवल सोशल मीडिया की लाइक, कमेंट और चैट तक सीमित होकर रह गया है। हमारे पास सैकड़ों ऑनलाइन मित्र हो सकते हैं, लेकिन मुश्किल समय में साथ खड़े होने वाले सच्चे मित्र बहुत कम दिखाई देते हैं। ऐसे समय में मित्रता के वास्तविक अर्थ को समझना और उसे जीवन में उतारना पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है।

भारतीय संस्कृति में मित्रता को अत्यंत पवित्र संबंध माना गया है। भगवान श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। श्रीराम ने मित्र के गुण बताते हुए कहा कि 'जे न मित्र दु:ख होहिं दुखारी', अर्थात जो मित्र अपने मित्र के दु:ख से दु:खी नहीं होता, वह सच्चा मित्र नहीं कहलाता। सच्ची मित्रता केवल सुख के क्षणों में साथ रहने का नाम नहीं है, बल्कि कठिन परिस्थितियों में एक-दूसरे का संबल बनने का भाव है।

मित्रता भी एक पौधे की तरह होती है, जिसे प्रेम, विश्वास और समय रूपी जल की आवश्यकता होती है। यदि हम केवल औपचारिक बातचीत तक सीमित रहें और एक-दूसरे की भावनाओं को न समझें, तो यह रिश्ता धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। जैसे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन व्यायाम करना पड़ता है, वैसे ही मित्रता को भी प्रतिदिन अपनापन, संवेदनशीलता और संवाद के माध्यम से मजबूत बनाना पड़ता है।

हर दिन अपने मित्र के हालचाल पूछना, उसकी परेशानियों को सुनना, सही सलाह देना, उसकी सफलता में दिल से खुश होना और असफलता में उसका मनोबल बढ़ाना, यही सच्ची मित्रता की पहचान है। मित्र वह होता है जो केवल हमारी प्रशंसा ही न करे, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर हमारी गलतियों की ओर भी ईमानदारी से ध्यान दिलाए। ऐसा मित्र हमारे व्यक्तित्व को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यदि बाहरी दुनिया में आपको ऐसे मित्र नहीं मिलते, तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। अपने परिवार में ही मित्रता का यह भाव विकसित किया जा सकता है। जीवनसाथी, माता-पिता, भाई-बहन या संतान भी हमारे सबसे अच्छे मित्र बन सकते हैं। जब परिवार के सदस्यों के बीच विश्वास, खुलापन और सहयोग का वातावरण बनता है, तब जीवन अधिक सुखद और संतुलित हो जाता है।

वास्तव में मित्रता कोई औपचारिक रिश्ता नहीं, बल्कि एक सुंदर भावना है। यह करुणा, विश्वास, सम्मान और निस्वार्थ सहयोग का मधुर संगम है। इसलिए प्रतिदिन अपनी मित्रताओं को अपनेपन, संवेदनशीलता और सच्चे साथ का नया आकार दें। यही प्रयास न केवल रिश्तों को मजबूत बनाएगा, बल्कि जीवन को भी अधिक खुशहाल, अर्थपूर्ण और संतोषपूर्ण बना देगा।

# इंजरी-फ्री लाइफ, 'गो-गो' नहीं 'स्लो-गो' या 'नो-गो' तरीके से आती है

इस सोमवार को सुबह 7:30 बजे मेरे एक स्कूलमेट का फोन आया। चूंकि मैं अपना कॉलम लिखने में व्यस्त था तो मैंने फोन स्पीकर पर रखकर कहा, 'बोल।' तभी घबराई हुई महिला की आवाज सुनकर मैंने फोन कान से लगा लिया। उनकी पत्नी बोलीं, 'भाई साहब, क्या आप जल्दी से घर आ सकते हैं? इन्हें बहुत दर्द हो रहा है। अपनी कार लेकर आना, ताकि हमें अस्पताल ले जा सकें।' मैंने पूछा, 'क्या हुआ?' तब उन्होंने ऐसी दुर्घटना के बारे में बताया, जिसे दोस्त ने उनसे भी छिपाकर रखा था। मैंने कहा, 'दस मिनट में पहुंचता हूं' और फोन काट दिया।

एक्स-रे टेक्नीशियन ने देखकर लिखा- 'ओलेक्रानोन में 1 सेमी का डिस्प्लेस्ड फ्रैक्चर, एक्शन रिक्वायर्ड।' दोस्त के चेहरे पर आई आशंकाओं का जबाव मैंने गूगल से खोजा और उसे बताया कि 'तुम्हारी बाईं कोहनी टूट गई है। डॉक्टर तय करेंगे कि सर्जरी होगी या फिजियोथेरेपी।' वह 58 की उम्र में नौ साल पहले रिटायर हो चुके थे। लेकिन आज 67 साल की उम्र में भी उनकी खुद को लेकर यह धारणा नहीं बदली कि वह पूरी तरह आत्मनिर्भर, एक्टिव और शारीरिक रूप से मजबूत हैं।

हमारे ग्रुप में वह सात बाइक राइडर्स में से एक हैं। पांच दोस्तों को तो उनके बच्चों ने बाइक को हाथ तक न लगाने का आदेश दे रखा है। एक दोस्त कभी-कभार बाइक चलाता है, ताकि वह चालू स्थिति में रहे। लेकिन अकेले वही हैं, जिनके लिए बाइक दूसरी पत्नी जैसी है। पत्नी को किचन का सामान चाहिए तो भी वह महज चार ब्लॉक दूर हेलमेट पहन कर बाइक से जाते हैं।

उन्होंने पत्नी को भी नहीं बताया कि एक संकरी गली में गुजरते समय सामने से आए 20 साल के बाइकर ने स्टंटमैन की तरह गाड़ी चलाई तो वह गिर गए थे। दो हफ्ते तक पेनकिलर्स खाकर खुद इलाज करना और 'कुछ नहीं होगा' वाला उसका यह रवैया अब डॉक्टर के चैम्बर के बाहर इंतजार करते हुए मुझे गुस्सा दिला रहा था।

ऑर्थोपेडिक सर्जन ने सॉफ्ट प्लास्टर लगाकर आदेश दिए कि न कोई वजन उठाना है, न धक्का देना है और न कुछ खींचना है- बस, पूर्णत: आराम करें। इसी सलाह से अब यह तय होने लगा कि वह घर में कैसे चलेंगे-फिरेंगे। उन्हें कहा गया कि पहली मंजिल पर बने बेडरूम तक जाते समय वह सीढ़ियों की रेलिंग पकड़कर चलें, ताकि उनकी उम्र के लोगों में बढ़ते गिरने के खतरे से बचा जा सके। लेकिन उनके यहां रेलिंग बाईं तरफ थी और उनके बाएं हाथ में ही प्लास्टर था तो वे सीढ़ी चढ़ते हुए दाएं हाथ से दीवार को धक्का-सा देकर चढ़ते थे। चूंकि अब उन्हें कुछ समय बदली परिस्थिति में रहना था तो हमने उनका बेडरूम ग्राउंड फ्लोर के गेस्ट रूम में शिफ्ट कर दिया। तभी से उनकी चलने-फिरने की क्षमता, यानी उनकी मोबिलिटी को लेकर चर्चा हो रही है। इस उम्र में हम मोबिलिटी को हल्के में लेते हैं, लेकिन अधिकतर इसी से हमारे जीवन की गुणवत्ता तय होगी।

अगर आप सोचते हैं कि वाहन का इस्तेमाल करने के बजाय आप पैदल ही चल लेंगे, तो मैं इतना कहूंगा कि उसमें भी खतरा है। अब फुटपाथों का इस्तेमाल भी ऐसे अधीर दोपहिया चालक करने लगे हैं, जिनका लक्ष्य सिर्फ स्पीड होता है। मेरी सलाह है कि पहले रास्ते को ऊपर-नीचे हर तरफ से देखें और मानकर चलें कि ड्राइवर आपको नहीं देख रहे हैं।

रिटायर लोगों के लिए हर काम में भागदौड़ वाला 'गो-गो' जीवन अब पीछे छूट गया। या तो 'स्लो-गो' जीवन अपनाइए, जिसमें आपके पास काफी समय हो और सभी को रास्ता देने में आपको कोई तकलीफ न हो, या फिर 'नो-गो' तरीका चुनिए जिसमें बेहद जरूरी होने पर ही बाहर निकलें। 60 साल के बाद इंजरी-फ्री जीवन बहुत जरूरी है।

फंडा यह है कि कोई चोट रिटायर लोगों को भविष्य की मोबिलिटी को लेकर सोचने पर मजबूर करे, इससे पहले ही उन्हें 'स्लो-गो' तरीका अपना लेना चाहिए, ताकि जिंदगी पूरी तरह 'नो-गो' में न बदल जाए। कृपया, हर समय भागदौड़ वाले 'गो-गो' दिनों को अब भूलिए, क्योंकि आप 30 या 40 की उम्र में नहीं हैं।

# न्यायिक प्रक्रियाओं में एआइ के उपयोग का दायरा तय हो

यूं तो आज न्यायिक प्रणाली में तकनीकी हस्तक्षेप अब कोई दूर की कल्पना नहीं रह गया है। दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और बड़े एआइ भाषा मॉडल (एलएलएम) का उपयोग न्यायालयीन प्रक्रियाओं को सुगम बनाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि, जहां यह तकनीक न्यायिक प्रशासन एवं प्रबंधन में क्रांति लाने की क्षमता रखती है, वहीं इसके साथ जुड़ी चुनौतियों और प्रतिकूलताएं भी उतनी ही गंभीर हैं, जिन पर हमें गहन चिंतन करने की आवश्यकता है।

भारत और अन्य देशों में एआइ का उपयोग मुख्यत: ई-गवर्नेंस, ई प्रशासन, ई न्यायिक प्रबंधन एवं प्रशासनिक सहायता के रूप में किया जा रहा है। इसमें मुख्यत: न्यायिक फैसलों की सर्च, न्यायिक उदाहरण एवं दलीलों व कानूनी दस्तावेजों का सारांश तैयार करना शामिल हैं। कुछ प्रयोगों में, एलएलएम का उपयोग जटिल कानूनी भाषा को सरल बनाने या पिछले न्यायिक निर्णयों के आधार पर संभावित परिणामों का पूर्वानुमान लगाने के लिए किया जाता है । हालांकि, यह स्पष्ट करना महत्त्वपूर्ण है कि अधिकांश न्यायिक प्रणालियों में, विशेष रूप से भारत में, संवैधानिक व्याख्या एवं कानूनी निर्णय की अंतिम शक्ति न्यायाधीशों के पास ही रहती है।

**एआइ सहायक बने विकल्प नहीं**

अभी हाल में भारत के सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय इसलिए महत्त्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि इस निर्णय में न्यायिक दलीलों एवं उदाहरण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अत्यधिक उपयोग के ऊपर प्रश्नवाचक चिह्न लगाया गया है। मानवीय न्यायिक निर्णय में न्यायाधीशों या वकीलों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उदाहरण उनकी व्याख्या मैं अगर कुछ गलत हुआ तो उसकी जिम्मेदारी कोई भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सिस्टम नहीं ले सकता और न उसे दंडित किया जा सकता है। यहां पर यह स्पष्ट होना चाहिए कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं एलएलएम के सिस्टम जैसे चैटजीपीटी एवं जैमिनाई के एल्गोरिथम कैसे काम करते हैं? यह जनरल पब्लिक की जानकारी से परे है। उनकी ऑडिट प्रक्रिया पर भी अभी कोई स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय दिशा निर्देश नहीं है कि ये सिस्टम निर्णय कैसे लेते हैं, पुराने केसों को कैसे ढूंढते है, उदाहरण कैसे बनाते हैं और सारांश कैसे तैयार करते हैं। इससे स्पष्ट हो जाता है कि एआइ को विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि एक सहायक उपकरण के रूप में उपयोग में लिया जाना चाहिए यानी एआइ से तैयार किए हुए ही डॉक्यूमेंट में मानवीय हस्तक्षेप बहुत जरूरी। उदाहरण के लिए, कुछ अदालतों में एआइ का उपयोग बेल आवेदनों की प्रारंभिक जांच के लिए किया जा रहा है, ताकि लंबित मामलों की संख्या कम की जा सके, लेकिन अंतिम आदेश मानवीय विवेक पर ही निर्भर करता है।

**एआइ के आउटपुट को बिना सत्यापित किए स्वीकार न करें**

सनद रहे कि सारे एआइ सिस्टम 'ब्लैक बॉक्स' की तरह काम करते हैं जिनमें पारदर्शिता बहुत कम होती है। एलएलएम की कार्यप्रणाली तो अत्यंत जटिल होती है। जब कोई मॉडल कोई सुझाव देता है, तो यह जानना कठिन होता है कि वह किस डेटा या तर्क के आधार पर उस निष्कर्ष तक पहुंचा है। इसके साथ-साथ उसकी एक्यूरेसी भी आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न की सटीकता एवं तर्क पर भी निर्भर करती है जिसे 'प्रॉम्प्ट' कहते हैं। न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता सर्वोपरि है। यदि एआइ का उपयोग निर्णयन में किया जाता है, तो 'एल्गोरिदमिक पारदर्शिता' सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि पारंपरिक न्यायिक प्रक्रिया के विपरीत, एआइ के तर्क को डिबग करना या उस पर सवाल उठाना संभव नहीं है।

एआइ मॉडल उस डेटा से ट्रेन होते हैं या सीखते हैं जिस पर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। यदि ऐतिहासिक न्यायिक डेटा में सामाजिक या आर्थिक पूर्वाग्रह मौजूद हैं, तो एआइ उन्हें और मजबूत कर सकता है। इससे हाशिए पर खड़े समुदायों जैसे अफ्रीकी या एशियाई लोगों के विरुद्ध भेदभावपूर्ण परिणाम आ सकते हैं, जो न्याय के मूल सिद्धांतों के विपरीत है ।

बड़े भाषा मॉडल जैसे चैटजीपीटी एवं जैमिनाई कभी-कभी ऐसे उत्तर देते हैं जो तथ्यात्मक रूप से गलत होते है, जिसे 'हैलुसिनेशन' कहा जाता है। कानूनी क्षेत्र में, जहां हर शब्द का महत्त्व होता है, ऐसी त्रुटियां विनाशकारी हो सकती हैं। न्यायिक अधिकारियों को सतर्क रहना होगा कि वे एआइ के आउटपुट को बिना सत्यापित किए स्वीकार न करें ।

समुंदर के सफ़र पर

"समुंदर के सफ़र पर निकले हैं
लहरों से टकराना होगा!
मंज़िल मुश्किल तो है मगर
पार जाना ही होगा!
कविता "आत्मा"

— Kavita Sharma Kaushik

# कला की आजादी जरूरी है पर देश की सम्प्रभुता से बढ़कर नहीं

आजादी के बाद से भारत के विरुद्ध कोई अलगाववादी आंदोलन सफल नहीं हुआ है। इसका श्रेय लोकतंत्र द्वारा उपलब्ध कराए गए उपकरणों के साथ ही जरूरी परिस्थितियों में राज्य की दृढ़ प्रतिक्रिया को भी जाता है। फिल्म 'सतलुज' को लेकर उपजे विवाद को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। क्या कलात्मक स्वतंत्रता में यह अधिकार भी शामिल है कि स्वतंत्र भारत के सबसे रक्तरंजित उग्रवादी आंदोलनों में से एक के इतिहास का अत्यंत सिलेक्टिव संस्करण प्रस्तुत किया जाए? दूसरी तरफ, क्या राज्य के पास भी इसके प्रदर्शन को रोकने का अधिकार है? ये कठिन प्रश्न हैं, क्योंकि इनमें लोकतंत्र के दो उद्देश्यों का आमना-सामना होता है- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सार्वजनिक व्यवस्था व राष्ट्रीय अखंडता बनाए रखने की जिम्मेदारी।

किसी फिल्म पर प्रतिबंध लगाना अकसर उलटा असर ही डालता है। डिजिटल युग में सेंसरशिप शायद ही कभी सफल होती है। इसके विपरीत, प्रतिबंध कई बार पीड़ित होने की छवि भी गढ़ देता है। ऐसी फिल्म, जिसे सामान्य परिस्थितियों में शायद सीमित दर्शक ही मिलते, अचानक प्रतिबंधित सत्य का आभामंडल प्राप्त कर लेती है और उसकी पाइरेटेड प्रतियां व्यापक रूप से फैल जाती हैं। लेकिन प्रतिबंध अकसर प्रभावी नहीं होते, इसका यह अर्थ नहीं कि किसी फिल्म में इतिहास के चित्रण पर प्रश्न नहीं उठाए जा सकते।

पंजाब का उग्रवाद एक सशस्त्र अलगाववादी अभियान था, जिसका उद्देश्य भारत को तोड़ना था। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, इसमें 12,000 से अधिक निर्दोष नागरिक, लगभग 1,800 सुरक्षाकर्मी, तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह तथा 8,000 उग्रवादी मारे गए थे। इसके अलावा, जून 1985 में एयर इंडिया की उड़ान 'कनिष्क' को भी खालिस्तानी उग्रवादियों ने अटलांटिक महासागर के ऊपर बम विस्फोट से उड़ा दिया था।

विमान में सवार सभी 329 लोगों की मृत्यु हो गई थी। भारत के खिलाफ इस साजिश में पाकिस्तान की भूमिका थी। आईएसआई ने पंजाब में उग्रवादी संगठनों को प्रशिक्षण, हथियार और पैसा उपलब्ध कराया था। रेडियो प्रसारण और प्रचार के माध्यम से अलगाववादी भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया जाता था।

समय के साथ कई उग्रवादी संगठन आपराधिक गिरोहों में बदल गए। फिरौती के लिए अपहरण आम बात हो गई। जबरन वसूली एक संगठित व्यवस्था का रूप ले चुकी थी। व्यापारियों को तथाकथित टैक्स देने के लिए मजबूर किया जाता था। जो इनकार करते, उनकी हत्या कर दी जाती थी। पुलिसकर्मियों की भी हत्याएं की गईं। सरकार से मिलीभगत के संदेह में गांवों के नेताओं की भी हत्या कर दी जाती थी।

पंजाब में भय का वातावरण व्यापक हो गया था। देश एक असाधारण परिस्थिति का सामना कर रहा था। उसका मुकाबला शांतिपूर्ण राजनीतिक असहमति या संवैधानिक विरोध से नहीं था। वह ऐसे संगठित सशस्त्र समूहों से जूझ रहा था, जो आतंक के माध्यम से संवैधानिक व्यवस्था को उखाड़ फेंकने के लिए कमर कसे हुए थे।

हालांकि इससे यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि जहां कहीं भी राज्यसत्ता की ओर से अति हुई, वहां उसकी कोई जिम्मेदारी नहीं थी। फर्जी मुठभेड़ों, जबरन गुमशुदगी और न्यायेतर हत्याओं के विश्वसनीय आरोपों का उल्लेख पत्रकारों, नागरिक अधिकार संगठनों और न्यायिक जांचों में दर्ज है। एक संवैधानिक लोकतंत्र में कानून के राज को स्थायी रूप से निलंबित नहीं किया जा सकता।

हर गैरकानूनी हत्या की निष्पक्ष जांच होनी ही चाहिए। लेकिन असाधारण उग्रवादी आंदोलनों से निपटने के लिए कई बार अत्यंत कठिन ऑपरेशनल निर्णय लेने पड़ते हैं। ब्रिटेन के आईआरए के खिलाफ अभियान से लेकर स्पेन के ईटीए के विरुद्ध संघर्ष और श्रीलंका के एलटीटीई के खिलाफ युद्ध तक- सभी लोकतांत्रिक देशों ने ऐसे द्वंद्वों का सामना किया है।

यदि कोई फिल्म राज्यसत्ता की कथित ज्यादतियों पर ही ध्यान केंद्रित करती है और सशस्त्र उग्रवादियों के सुनियोजित आतंकी-अभियान को लगभग पूरी तरह नजरअंदाज कर देती है, तो वह इतिहास का विकृत चित्र प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य वस्तुनिष्ठ व्याख्या करना नहीं, बल्कि उकसाना होता है।

सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत केंद्र सरकार फिल्मों को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणित करने का अधिकार रखती है। यह अधिकार युक्तिसंगत प्रतिबंधों के अधीन है, जिनमें सम्प्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता सहित अन्य आधार शामिल हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मौलिक लोकतांत्रिक मूल्य है, फिर भी अधिनियम की धारा 5बी के अंतर्गत सार्वजनिक व्यवस्था तथा भारत की सम्प्रभुता-अखंडता की रक्षा के लिए कार्रवाई की जा सकती है। पंजाब की त्रासदी का कोई भी विवरण खालिस्तानियों द्वारा मारे गए हजारों निर्दोष भारतीयों की पीड़ा को मिटा नहीं सकता। इतिहास न तो सेंसरशिप का पात्र है और न ही सिलेक्टिव स्मृतियों का। वह सम्पूर्ण सत्य का अधिकारी है।

**( ये लेखक के अपने विचार हैं )**

## युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

जब सुमित्रा अंबा वन जाने के लिए लक्ष्मणजी को विदाई देने लगी उस समय गोस्वामीजी कहते हैं कि - सिख देइ आयसु दीन्ह पुनि आसिष दई - उन्होंने सबसे पहले शिक्षा दी, शिक्षा के पश्चात आज्ञा और अंत में आशीर्वाद दिया। आशीर्वाद देते हुए कहा कि 'रति होउ' - श्रीराम के चरणों में तुम्हारी रति हो। पर रति के साथ उन्होंने बड़े अदभुत तीन शब्द जोड़ दिए - रति के प्रति तो संसार में समस्त जीवों का आकर्षण है। पर संसार की जो रति (काम की पत्नी) है, उसमें तीन कमी है। पर भगवान के चरणों की जो रति है, उसमें ये तीन कमियां नहीं होनी चाहिए। क्योंकि संसार में जो रति है वह अविरल नहीं हो सकती। इसका अभिप्राय है कि व्यक्ति निरंतर कामग्रस्त नहीं रह सकता। पर भक्ति की विशेषता है कि उसमें जो रति है वह अविरल होनी चाहिए। दूसरे संसार की जो रति है उसमें वासना की मलिनता है, परंतु भक्ति की रति में मलिनता नहीं होती है। और संसार की रति में समस्या यह है कि सौंदर्य देखकर व्यक्ति पहले आकृष्ट हो जाता है पर जब अधिक परिचय होकर पुरानापन आ जाता है तो फिर पहले जैसे आकर्षण की अनुभूति नहीं होती। सुमित्रा अंबा ने अपने आशीर्वाद में सांसारिक रति में विद्यमान तीनों कमियों का परिमार्जन कर दिया। सुमित्रा अंबा ने कहा, लक्ष्मण ! मैं तुम्हें आशीर्वाद दे रही हूं कि - रति होउ अबिरल अमल - पर उसके साथ-साथ - सिय रघुवीर पद नित-नित नई - तुम्हारे अंत:करण की जो भक्ति है, जो प्रीति है वह अविरल रहे, अमल रहे और नित्य नूतन रहे।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

# जन्मसिद्ध नागरिकता के सवाल पर गम्भीर चर्चा की जानी चाहिए

हम दूसरे देशों से अपेक्षा करते हैं कि वे भारतीयों का स्वागत करें, उन्हें स्थायी आवास और अंतत: नागरिकता भी प्रदान करें। लेकिन हम शायद ही कभी सवाल उठाते हैं कि क्या भारत के अपने नागरिकता कानूनों में भी वैसा ही खुलापन है? आप्रवासियों के अधिकारों पर हमारी चिंता अकसर हमारी ही सीमाओं पर आकर रुक जाती है।

यह विरोधाभास तब स्पष्ट रूप से दिखा था, जब ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में एक कार्यकारी आदेश जारी किया। इस आदेश में अवैध प्रवासियों और अस्थायी तौर पर निवास कर रहे लोगों के यहां जन्मे बच्चों के लिए स्वत: जन्मसिद्ध नागरिकता के प्रावधान को समाप्त कर दिया गया। भारतीय मीडिया के एक वर्ग ने इस आदेश की आलोचना की और इसे अमेरिका की आप्रवासी परम्परा के विपरीत बताया।

फिर 30 जून, 2026 को जब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प के इस आदेश को अवैध करार दिया तो अधिकांश भारतीयों ने इसे निष्पक्षता और कानून के शासन की जीत बताते हुए फैसले का स्वागत किया। लेकिन यह जश्न एक असहज तथ्य की अनदेखी करता है। वो यह कि भारत खुद वर्षों पहले जन्मसिद्ध नागरिकता की व्यवस्था त्याग चुका है।

संविधान के निर्माण के समय भारत भी स्वत: मिलने वाली जन्मसिद्ध नागरिकता प्रदान करता था। 1955 के मूल नागरिकता अधिनियम के तहत 26 जनवरी 1950 या उसके बाद भारत में पैदा हुआ कोई भी व्यक्ति जन्म से भारतीय नागरिक माना जाता था, भले ही उसके माता-पिता की राष्ट्रीयता कुछ भी हो।

हालांकि इसमें कुछ सीमित अपवाद थे, जैसे राजनयिकों या शत्रु देशों के नागरिकों की संतानें। समय के साथ नागरिकता कानून के दायरे को पहले 1986, और फिर 2003 के संशोधनों के जरिए सीमित कर दिया गया। हमने ट्रम्प के आदेश पर तो मुखरता से विरोध जताया, पर अपने कानून को लेकर चुप्पी साधे रहे।

1986 के संशोधन के जरिए भारतीय संसद ने जन्मसिद्ध नागरिकता की व्यवस्था समाप्त कर दी। इसके अनुसार 1 जुलाई 1987 या उसके बाद भारत में जन्म लेने वाले व्यक्ति को नागरिकता तभी मिल सकती थी, जब उसके माता-पिता में से कोई एक भारतीय नागरिक हो। 2003 में इस कानून में फिर संशोधन हुआ और प्रावधान किया गया कि 3 दिसंबर 2004 या उसके बाद भारत में जन्म लेने वाले व्यक्तियों के माता-पिता में से कोई एक भले ही भारतीय नागरिक हो, लेकिन फिर भी उसे नागरिकता का स्वत: अधिकार नहीं मिलता। इसके लिए यह भी आवश्यक हो गया कि दूसरा अभिभावक अवैध प्रवासी न हो। यानी, भले आपके माता-पिता में से कोई एक भारतीय है और भले ही आपके दादा-परदादा तक भारत में ही जन्मे हों, तब भी आपको स्वत: नागरिकता नहीं मिल सकेगी।

इन संशोधनों की पृष्ठभूमि में भारत में अवैध बांग्लादेशियों की मौजूदगी को लेकर चिंताएं रही हैं। लेकिन गौर करने वाली यह है कि भारत में अवैध बांग्लादेशियों की संख्या को लेकर लगाए गए सभी अनुमान अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों की तुलना में बहुत मामूली हैं। इसके अलावा भारत में नागरिकता प्राप्त करने की कानूनी प्रक्रिया भी कोई आसान नहीं है।

नागरिकता प्राप्त करने के लिए भारत दुनिया के कठोरतम शर्तें लागू करने वाले देशों में से एक है। सामान्यत: किसी विदेशी नागरिक को आवेदन के योग्य बनने से पहले सात वर्ष तक भारत में निवास करना पड़ता है और फिर भी नागरिकता देना पूरी तरह सरकार के विवेक पर ही निर्भर है। किसी भारतीय नागरिक से विवाह करने पर भी स्वत: नागरिकता नहीं मिलती। विदेश में जन्मे जीवनसाथी को भी नागरिक के रूप में पंजीकरण कराने से पहले लंबे समय तक निवास संबंधी शर्तों को पूरा करना पड़ता है।

भारत में पीढ़ियों से रह रहे हजारों तिब्बती परिवार इस विसंगति का उदाहरण पेश करते हैं। उनमें से बहुत-से भारत में जन्मे, भारतीय स्कूलों में पढ़े, भारतीय भाषाएं बोलते हैं और भारत के अलावा किसी अन्य देश को अपना घर नहीं मानते। फिर भी कानून उन्हें स्वत: नागरिकता प्रदान नहीं करता। हम शैक्षणिक संस्थानों में तिब्बती शरणार्थियों और उनके वंशजों के लिए सीटें आरक्षित करते हैं, लेकिन यदि वे भारतीय नागरिक बनना चाहें तो उन्हें नौकरशाही की लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।

आखिरकार हर देश को यह तय करने का अधिकार है कि कौन उसका नागरिक बनेगा। लेकिन बौद्धिक ईमानदारी का तकाजा यही है कि हमें खुद को भी उन्हीं पैमानों पर परखना चाहिए, जिन्हें हम दूसरों पर लागू करना चाहते हैं।

**( ये लेखिका के अपने विचार हैं )**

# रायपुर के स्कूलों में मुफ्त हार्ट चेकअप...690 बच्चों की जांच:अब तक 18 बच्चों का मुफ्त ऑपरेशन; शिविर में आय और निवास प्रमाण पत्र भी मिले

**रायपुर।** रायपुर में बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान और इलाज के लिए चलाए जा रहे 'प्रोजेक्ट धड़कन' के तहत अलग-अलग स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। इन शिविरों में एक दिन में 690 बच्चों की मुफ्त हृदय जांच (स्क्रीनिंग) की गई। वहीं विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विशेष शिविर लगाकर 90 बच्चों को आय और निवास प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

जिला प्रशासन और श्री सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से अभनपुर, धरसींवा, तिल्दा और शहरी क्षेत्रों के स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों में जांच की गई। डॉक्टरों ने बच्चों के हृदय संबंधी शुरुआती लक्षणों की जांच की, ताकि गंभीर बीमारी की समय रहते पहचान कर इलाज शुरू किया जा सके। इससे परिवारों को महंगे इलाज का बोझ उठाने से राहत मिलती है।

### निःशुल्क हृदय ऑपरेशन भी हुए

जिले में प्रोजेक्ट धड़कन के तहत अब तक 1 लाख 49 हजार 920 बच्चों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। इनमें हृदय संबंधी समस्या वाले बच्चों का इलाज भी कराया जा रहा है। अब तक 14 बच्चों का मेडिकल मैनेजमेंट और 18 बच्चों का पूरी तरह निःशुल्क हृदय ऑपरेशन कराया जा चुका है।

यह अभियान सरकारी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में नियमित रूप से चलाया जा रहा है। यदि किसी बच्चे में जांच के दौरान हृदय रोग की आशंका मिलती है तो उसे आगे की जांच और मुफ्त उपचार के लिए रेफर किया जाता है।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

## रायपुर के कारोबारी से 1.87 करोड़ की ठगी

**रायपुर।** रायपुर के कारोबारी से 1.87 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि, पुणे की एक कंपनी और उसके प्रतिनिधियों ने 500 टन चीनी सप्लाई करने का झांसा देकर कारोबारी से करोड़ों रुपए एडवांस में ले लिए, लेकिन तय समय पर माल नहीं भेजा।

पीड़ित कारोबारी राजेश अग्रवाल की शिकायत के आधार पर खमतराई पुलिस ने कंपनी के 4 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला खमतराई थाना इलाके का है। खमतराई पुलिस के मुताबिक, श्रीनगर रोड स्थित सिंघल प्रोविजन स्टोर्स के संचालक राजेश अग्रवाल लंबे समय से थोक शक्कर का कारोबार करते हैं। फरवरी 2025 में उनकी पहचान खुद को नाथबाबा एग्रो ट्रेड हब प्राइवेट लिमिटेड, पुणे का प्रतिनिधि बताने वाले राजीव मोरे से हुई थी। शुरुआत में कारोबारी ने 35 टन और फिर 70 टन चीनी का ऑर्डर दिया। कंपनी ने दोनों बार समय पर सप्लाई पूरी कर दी। जिससे कारोबारी का भरोसा जीत लिया।

### री-NEET रिजल्ट, छत्तीसगढ़ के शिप्रक और चार्वी स्टेट टॉपर

# दोनों को 99.99 पर्सेंटाइल, AIR 117 और 136 मिलीं; बोले- दूसरे एग्जाम जैसी ही परीक्षा थी

**रायपुर।** राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने री-**NEET UG** 2026 का रिजल्ट जारी कर दिया है। परीक्षा में छत्तीसगढ़ के रायपुर के शिप्रक गोयल और चार्वी अग्रवाल ने 99.99 परसेंटाइल हासिल किए हैं। दोनों को प्रदेश का संयुक्त स्टेट टॉपर घोषित किया गया है।

शिप्रक गोयल ने ऑल इंडिया रैंक 117 हासिल की है। वहीं, चार्वी अग्रवाल की ऑल इंडिया रैंक 136 रही। दोनों अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी से हैं। समान परसेंटाइल होने के बावजूद टाई-ब्रेकिंग नियमों के कारण दोनों की ऑल इंडिया रैंक अलग-अलग है। शिप्रक गोयल ने बताया कि, मैंने छत्तीसगढ़ में **AIR**-117 और रैंक 1 हासिल की। मैं इस परीक्षा को किसी भी दूसरे नॉर्मल परीक्षा की तरह ही देखता हूं। अगर आप इसे कुछ बहुत खास समझते हैं, तो आप स्ट्रेस में आ जाएंगे और टेस्ट के दौरान गलतियां करेंगे।

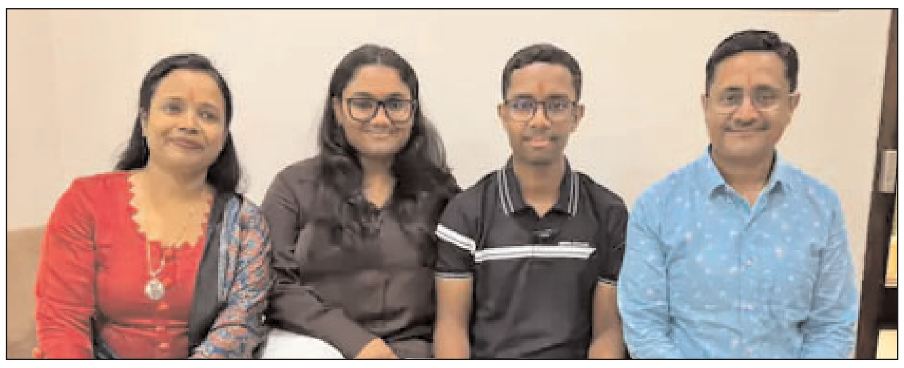

### 8 से 10 घंटे पढ़ाई काफी

जहां तक मेरे पढ़ाई के घंटों की बात है, तो दिन में 16 घंटे पढ़ाई करने की जरूरत या खुद को थका देने तक काम करना पूरी तरह से घिसी-पिटी बातें हैं। मेरा मानना है कि दिन में 8 से 10 घंटे पढ़ाई करना काफी है, बशर्ते आप इसे दो साल तक लगातार करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको कोई दिक्कत नहीं होगी।

### मुझे अपने परिवार और टीचरों से बहुत मोटिवेशन मिला

**NEET** री-एग्जाम और पेपर लीक पर कहा कि, **NEET** री-एग्जाम देना बुरा था, लेकिन असलियत को मानना 3पड़ता है और काम पर वापस जाना पड़ता है। मुझे अपने परिवार और टीचरों से बहुत मोटिवेशन मिला, जो बहुत सपोर्टिव थे।

हमारे रेगुलर टेस्ट फिर से शुरू हो गए और दोस्तों से मिलने से मुझे अपनी एनर्जी वापस पाने में मदद मिली। डर जरूर था, लेकिन चिंता करने से कुछ नहीं होता। एग्जाम देना ही मेरे हाथ में है, आखिरी नतीजा भगवान पर है।

### छत्तीसगढ़ के 45 हजार कैंडिडेट्स ने दी थी परीक्षा

छत्तीसगढ़ में इस परीक्षा में करीब 45 हजार कैंडिडेट्स शामिल हुए थे। पूरे प्रदेश में 127 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जबकि रायपुर में 25 केंद्रों में परीक्षा हुई। **NTA** की गाइडलाइन के अनुसार कड़ी जांच के बाद स्टूडेंट्स को एंट्री दी गई थी।

### ऐसे चेक करें स्कोरकार्ड

21 जून को आयोजित री-**NEET UG** 2026 परीक्षा में शामिल उम्मीदवार **NTA** की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना स्कोरकार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए एप्लिकेशन नंबर और पासवर्ड से लॉग इन करना होगा। लॉग इन के बाद स्कोरकार्ड डाउनलोड किया जा सकेगा।

### परीक्षा शुल्क रिफंड की अंतिम तारीख बढ़ी

**NTA** ने 3 मई को आयोजित **NEET UG** 2026 परीक्षा में शामिल उम्मीदवारों के लिए परीक्षा शुल्क रिफंड की प्रक्रिया की अंतिम तारीख 31 जुलाई तक बढ़ा दी है। शुल्क वापसी के लिए उम्मीदवारों को ऑनलाइन पोर्टल पर बैंक खाते की जानकारी दर्ज करनी होगी।

## महतारी वंदन योजना से 1.55 लाख महिलाएं बाहर: रायपुर में सबसे ज्यादा 12,043 नाम कटे

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना में अब तक 1 लाख 55 हजार से अधिक महिलाओं के नाम काटे गए हैं। पात्रता की दोबारा जांच, मौत, बाकी राज्यों में स्थानांतरण, आयु संबंधी बदलाव और दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान बड़ी संख्या में हितग्राहियों के नाम हटाए गए।

महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण विभाग के मुताबिक, सबसे ज्यादा नाम रायपुर जिले में 12,043 महिलाओं के कटे हैं। वहीं, बीजापुर ऐसा जिला रहा जहां करीब 2597 नए पात्र हितग्राहियों के जुड़ने से लाभार्थियों की संख्या बढ़ गई है।

सनी लियोनी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा था, कि छत्तीसगढ़ महतारी वंदन योजना में उनकी आइडेंटिटी और नाम का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है।

सनी लियोनी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा था, कि छत्तीसगढ़ महतारी वंदन योजना में उनकी आइडेंटिटी और नाम का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है।

योजना 2024 में उस समय भी चर्चा में आई थी, जब सनी लियोनी के नाम से फर्जी तरीके से राशि जारी होने का मामला सामने आया था। जांच में सामने आया कि फर्जी दस्तावेजों के जरिए आवेदन कर योजना का लाभ लिया गया था।

मामला उजागर होने के बाद सरकार ने सत्यापन अभियान तेज किया और कई अपात्र नाम सूची से हटाए गए। सनी लियोनी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा था कि छत्तीसगढ़ महतारी वंदन योजना में उनकी आइडेंटिटी और नाम का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है।

खैरागढ़ जिले के मुढ़ीपार निवासी तिलोक साहू सीएससी सेंटर चलाता है। उसने महतारी वंदन योजना के लिए आवेदन किया था। करीब 1 साल तक उसके खाते में योजना की राशि भी आती रही।

## रायपुर में स्पोर्ट्स प्रेजेंटर शेफाली-बग्गा से ED ने की पूछताछः महादेव बेटिंग ऐप मामला

**रायपुर।** महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप और उससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने स्पोर्ट्स प्रेजेंटर शेफाली बग्गा से रायपुर स्थित जोनल ऑफिस में पूछताछ की। बताया जा रहा है शेफाली बग्गा का कनेक्शन महादेव ऑनलाइन बुक से जुड़े कथित हवाला ऑपरेटर खंजन जगदीश कुमार ठक्कर से है। जानकारी के मुताबिक, शेफाली बग्गा विदेशों, खासकर दुबई और लंदन से संचालित होने वाले ऑनलाइन बेटिंग ऐप्स का प्रचार करती थीं। जांच में ऐसे कई डिजिटल साक्ष्य और प्रमोशनल पेज मिले हैं, जिनमें वह बेटिंग ऐप्स का प्रचार करती हुई दिखाई देती हैं। 5 घंटे की पूछताछ के बाद सेफाली बग्गा रवाना हुई। मीडिया के सवालों पर बग्गा ने सारे आरोपों को निराधार बताया है।

एजेंसी का दावा है कि शेफाली बग्गा सिर्फ बेटिंग ऐप्स का प्रचार ही नहीं करती थीं, बल्कि खिलाड़ियों को बेटिंग से जुड़े टिप्स भी देती थीं। ईडी को जांच के दौरान ऐसे ऑनलाइन कंटेंट और प्रचार सामग्री मिली है, जिनकी जांच की जा रही है।

ईडी सूत्रों के अनुसार, शेफाली बग्गा एक टेलीग्राम चैनल भी संचालित करती हैं। आरोप है कि इस चैनल के जरिए अवैध ऑनलाइन बेटिंग से जुड़े प्रचार-प्रसार और खिलाड़ियों को टिप्स देने का काम किया जाता है।

## नकटी विवाद पर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकातः विधानसभा सत्र के बाद CM से चर्चा का आश्वासन

**रायपुर।** नकटी गांव में हुई बुलडोजर कार्रवाई के मुद्दे पर आज कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने लोकभवन में राज्यपाल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को नकटी गांव के प्रभावित परिवारों के साथ हुई कार्रवाई और उनकी समस्याओं से अवगत कराया। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, राज्यपाल ने पूरे मामले पर विधानसभा सत्र समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से चर्चा करने का आश्वासन दिया है।

कांग्रेस ने राज्यपाल से प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने और पूरे मामले में हस्तक्षेप की मांग भी की।

इससे पहले बुधवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में कांग्रेस ने नकटी गांव से राजभवन तक करीब 14 किलोमीटर की पदयात्रा निकाली थी। पदयात्रा वीआईपी चौक होते हुए लोकभवन पहुंची, लेकिन उस दिन राज्यपाल से मुलाकात नहीं हो सकी थी। इसके बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात के लिए समय मांगा था।

कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी थी कि यदि तीन दिनों के भीतर राज्यपाल से मिलने का समय नहीं मिला, तो पार्टी आंदोलन को और तेज करेगी।

### पदयात्रा के दौरान हुआ था हंगामा

बुधवार की पदयात्रा के दौरान मेक इन इंडिया चौक के पास पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई थी। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड हटाकर आगे बढ़ने की कोशिश की, जबकि पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान कुछ महिलाओं ने पुलिस पर अभद्रता और मारपीट का आरोप लगाया था।

पदयात्रा में शामिल प्रभावित परिवारों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'नकटी में ही घर बनाओ' के नारे लगाए थे और गांव में ही पुनर्वास की मांग की थी।

## एक साल से कान में फंसा लोहे का छर्रा निकाला:सुनने की हड्डियां और पर्दा भी दोबारा बनाया

**रायपुर।** पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के ईएनटी विभाग ने 9 वर्षीय बच्ची की जटिल सर्जरी कर उसकी सुनने की क्षमता सुरक्षित रखने में सफलता हासिल की है। बच्ची के बाएं कान में करीब एक वर्ष से लोहे का छर्रा फंसा था, जिससे कान का पर्दा और सुनने वाली हड्डियां क्षतिग्रस्त हो गई थीं। ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. हंसा बंजारा के निर्देशन में डॉ. दुर्गेश गजेंद्र और टीम ने छर्रा निकालने के साथ टिम्पैनोप्लास्टी व ऑसिक्युलोप्लास्टी कर कान का पुनर्निर्माण किया। डॉ. बंजारा ने बताया कि समय पर सर्जरी नहीं होती तो सुनने की क्षमता स्थायी रूप से प्रभावित हो सकती थी और संक्रमण आंतरिक कान या मस्तिष्क तक फैलने का खतरा था। अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने इसे चुनौतीपूर्ण सर्जरी बताते हुए कहा कि यह अंबेडकर अस्पताल में जटिल ईएनटी सर्जरी की क्षमता का प्रमाण है। ऑपरेशन के बाद बच्ची स्वस्थ है और उसकी सुनने की क्षमता लगभग सामान्य होने की उम्मीद है। करीब 9 वर्षीय बच्ची को परिजन हमारे पास लेकर आए। जांच में पता चला कि उसके बाएं कान में लगभग एक साल से लोहे का छर्रा फंसा है। सीटी स्कैन में वह मिडिल ईयर तक पहुंचा मिला, जिसके बाद सभी जरूरी जांच पूरी कर तुरंत सर्जरी का निर्णय लिया। माइक्रोस्कोपिक तकनीक से करीब तीन घंटे ऑपरेशन चला।

सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि लंबे समय तक छर्रा फंसे रहने से कान का पर्दा और सुनने वाली हड्डियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थीं।

# 31 जुलाई तक कराएं फसल बीमा, जरूरी डॉक्यूमेंट्स जानिएःधान समेत 7 फसलों पर योजना लागू, पिछले साल 1.28 करोड़ रुपए हुआ था पेमेंट

**रायपुर।** खरीफ सीजन 2026 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ लेने के लिए किसानों के पास अब 31 जुलाई तक का समय है। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे अंतिम तारीख का इंतजार किए बिना अपनी फसल का बीमा करा लें। समय पर बीमा कराने पर प्राकृतिक आपदा, रोपाई में बाधा और कटाई के बाद होने वाले नुकसान की स्थिति में आर्थिक सहायता मिल सकेगी।

योजना के तहत धान सिंचित, धान असिंचित, सोयाबीन, मक्का, अरहर, उड़द, रागी और कोदो फसलों का बीमा कराया जा सकता है। धान सिंचित के लिए प्रति हेक्टेयर 66 हजार रुपए और धान असिंचित के लिए 49,500 रुपए तक का बीमा कवर मिलेगा। इसके लिए किसानों को केवल 2 प्रतिशत प्रीमियम देना होगा। यानी सिंचित धान के लिए 1,320 रुपए और असिंचित धान के लिए 990 रुपए प्रति हेक्टेयर किसान अंश तय किया गया है।

### बीमा कराने के लिए ये दस्तावेज जरूरी

फसल बीमा के लिए आधार कार्ड, भूमि संबंधी दस्तावेज (बी-1 और पी-2), बैंक पासबुक की कॉपी, फसल बोने का घोषणा पत्र और मोबाइल नंबर देना अनिवार्य है। बटाईदार, कास्तकार और साझेदार किसानों को फसल साझा या कास्तकार का घोषणा पत्र भी जमा करना होगा। सबसे अहम बात यह है कि आधार वेरिफिकेशन के बिना बीमा स्वीकार नहीं होगा।

### इन जगहों पर करवा सकते है बीमा

योजना का उद्देश्य किसानों को ओलावृष्टि, बादल फटना, आकाशीय बिजली जैसी स्थानीय प्राकृतिक आपदाओं, रोपाई में बाधा और फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान से आर्थिक सुरक्षा देना है। किसान अपने नजदीकी बैंक, वित्तीय संस्थान या कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से बीमा करा सकते हैं।

कृषि विभाग के अनुसार, पिछले वर्ष जिले के 1,177 किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कुल 1.28 करोड़ रुपए का दावा भुगतान किया गया था। प्रशासन का कहना है कि समय पर बीमा कराने से नुकसान की स्थिति में आर्थिक राहत मिलती है, इसलिए किसान अंतिम तिथि 31 जुलाई से पहले सभी दस्तावेजों के साथ आवेदन पूरा कर लें।

## वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

**मेष।** आज का दिन धैर्य, संयम और समझदारी के साथ आगे बढ़ने का है। किसी भी परिस्थिति में क्रोध पर नियंत्रण रखें, क्योंकि छोटी-सी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी करने के बजाय सोच-समझकर निर्णय लें। बिना योजना बनाए किसी नए काम की शुरुआत करना नुकसानदायक हो सकता है। आर्थिक मामलों में सतर्कता बरतें और अनावश्यक खर्चों से बचें।

**वृषभ।** आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा और लंबे समय से रुके हुए कार्यों में गति आएगी। आपकी प्रतिभा और मेहनत के कारण कार्यक्षेत्र तथा समाज में सम्मान बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं और आय के नए स्त्रोत भी बन सकते हैं। व्यापारियों को लाभ मिलने की संभावना है, जबकि नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

**मिथुन।** आज समय प्रबंधन आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। अपने कार्यों को समय पर पूरा करने का प्रयास करें, अन्यथा देरी के कारण तनाव बढ़ सकता है। एक साथ कई काम शुरू करने के बजाय एक-एक कार्य पर ध्यान केंद्रित करें। किसी के बहकावे में आकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने से बचें। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाना बेहतर रहेगा।

**कर्क।** महीने का पहला दिन आपके लिए नई उम्मीदें और सकारात्मक अवसर लेकर आया है। भाग्य का साथ मिलने से लंबे समय से सोचे गए कार्य पूरे होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आपकी मेहनत रंग लाएगी। हालांकि, वाणी में मधुरता बनाए रखना आवश्यक होगा, क्योंकि कठोर शब्द रिश्तों में दूरी ला सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सुखद रहेगा।

**सिंह।** आज का दिन आपके पेशेवर जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का संकेत दे रहा है। नई जिम्मेदारियां और अवसर आपके सामने आ सकते हैं, जो भविष्य के लिए लाभदायक साबित होंगे। नई चीजें सीखने और अपने कौशल को विकसित करने का अच्छा मौका मिलेगा। आर्थिक मामलों में खर्च और बचत के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है।

**कन्या।** आज करियर और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा। अपने फैसलों पर भरोसा करें और दूसरों के प्रभाव में आकर निर्णय लेने से बचें। जो लोग नया व्यवसाय या काम शुरू करना चाहते हैं, उनके लिए अच्छे अवसर सामने आ सकते हैं। हालांकि, किसी भी निर्णय में जल्दबाजी न करें। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहेगी। परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

**तुला।** आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा और इसी के बल पर कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे हो सकते हैं। परिवार में लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान निकलने की संभावना है। आर्थिक मामलों में समझदारी से किया गया निवेश भविष्य में अच्छा लाभ दे सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और व्यवहार की सराहना होगी।

**वृश्चिक।** आज करियर में उन्नति के नए अवसर मिल सकते हैं और आपकी मेहनत का उचित परिणाम प्राप्त होगा। हालांकि, कार्यक्षेत्र में काम का दबाव अधिक रहने से थकान महसूस हो सकती है। समय का सही प्रबंधन करना आपके लिए आवश्यक रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर बनी रहेगी। विद्यार्थियों के लिए भी दिन सकारात्मक है।

**धनु।** आज का दिन आपके लिए लाभ और सफलता लेकर आने वाला है। लंबे समय से सोचे हुए कार्य पूरे हो सकते हैं और रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। परिवार और मित्रों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा और पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित दिनचर्या बनाए रखना जरूरी होगा।

**मकर।** आज का दिन मिला-जुला परिणाम देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, जिससे महत्वपूर्ण कार्य पूरे करने में मदद मिलेगी। हालांकि, काम की अधिकता के कारण थकान महसूस हो सकती है। इसलिए अपने स्वास्थ्य और खानपान का विशेष ध्यान रखें। आर्थिक स्थिति सामान्य बनी रहेगी और खर्चों पर नियंत्रण रखना बेहतर होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे। विद्यार्थियों के लिए मेहनत का समय है।

**कुंभ।** आज आर्थिक स्थिति में सुधार के अच्छे संकेत हैं। किसी पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। पारिवारिक वातावरण खुशनुमा रहेगा और प्रियजनों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। सामाजिक कार्यों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप सफलतापूर्वक निभाएंगे। विद्यार्थियों के लिए भी दिन अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित व्यायाम लाभदायक होगा।

**मीन।** आज का दिन व्यापारियों के लिए विशेष रूप से लाभदायक रहेगा। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। लंबे समय से रुके हुए सरकारी कार्य पूरे होने की संभावना है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के अनुरूप अच्छे परिणाम मिलेंगे, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सुखद बना रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन मानसिक तनाव से दूर रहना बेहतर होगा। आज का दिन नई उपलब्धियों, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगा। तो अब उसका समाधान निकलता दिखाई देगा। अनजान लोगों से दूरी बनाए रखें।

झारखंड में निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

# रांची के जगन्नाथपुर मंदिर में सुबह 3 बजे से उमड़े भक्त, राज्यपाल और सीएम ने खींचा रथ

**रांची।** झारखंड के विभिन्न जिलों में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। राजधानी रांची के जगन्नाथपुर मंदिर में रथयात्रा महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखी गई।

राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी उपस्थित रहें। उन्होंने रथ से श्रद्धालुओं को संबोधित भी किया। इसके बाद उन्होंने रथ को खींचा।

रथयात्रा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जगन्नाथपुर मंदिर की भव्यता को और बड़ी पहचान दिलायी जाएगी। इस ऐतिहासिक धार्मिक स्थल को पर्यटन के मानचित्र पर और मजबूती से स्थापित किया जाएगा।

उन्होंने ने कहा कि रांची के धुर्वा स्थित जगन्नाथ मंदिर की दूर से ही पहचान हो, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा मंदिर को जोड़ने वाली सड़क पर भव्य तोरणद्वार का निर्माण कराया जाएगा।

इधर, सुबह 4 बजे पूजा आरती के साथ दिन की शुरुआत हुई। सुबह 5 बजे से ही श्रद्धालुओं के लिए श्री विग्रहों का दर्शन शुरू हो गया। दोपहर 2 बजे दर्शन बंद कर दिए गए और सभी विग्रहों को रथ के लिए प्रस्थान कराया गया।

दोपहर विग्रहों को रथ पर विराजमान किया गया। उनका श्रृंगार किया गया। इसके बाद श्री विष्णु लक्षार्चना और अष्टकम गीता पाठ हुआ। शाम भव्य रथयात्रा प्रारंभ हुई, जो मौसीबाड़ी पहुंची।

रांची के भगवान जगन्नाथ मंदिर में दर्शन के लिए सुबह तीन बजे से ही लोग पहुंच गए थे। अहले सुबह तक भक्तों की कतार लगभग 2 किमी तक लगी रही।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने महाप्रभु श्री जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा के दर्शन कर राज्य की सुख, शांति, समृद्धि और सभी के मंगल की कामना की।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने महाप्रभु श्री जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा के दर्शन कर राज्य की सुख, शांति, समृद्धि और सभी के मंगल की कामना की।

### 108 दीपों से भव्य मंगल आरती की गई

इससे पूर्व रांची स्थित जगन्नाथपुर के जगन्नाथ मंदिर में बुधवार को भगवान जगन्नाथ का 15 दिनों का एकांतवास समाप्त हुआ। बुधवार को नेत्रदान की परंपरा पूरी की गई।

इसके साथ ही भगवान जगन्नाथ ने अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ भक्तों को दर्शन दिए। मंदिर परिसर में 108 दीपों से भव्य मंगल आरती की गई और भगवान को मालपुआ का भोग अर्पित किया गया।

### 25 जुलाई को घुरती रथयात्रा निकाली जाएगी

25 जुलाई को घुरती रथयात्रा निकाली जाएगी, जिसमें भगवान पुनः मंदिर लौटेंगे। रथयात्रा के साथ ही 10 दिनों तक चलने वाला रथ मेला भी शुरू हो गया है।

वहीं, मेले को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। करीब 2000 पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। समिति की ओर से 100 निजी गार्ड भी लगाए गए हैं।

पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी के लिए 215 सीसीटीवी कैमरे और चार ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सुबह 5 बजे से श्रद्धालुओं के लिए श्री विग्रहों का दर्शन शुरू हो गया। दोपहर 2 बजे दर्शन बंद कर दिए गए।

# नवोदय विद्यालय में छात्र की पिटाई मामले पर हंगामाः अभिभावकों ने दिया धरना

**धनबाद।** धनबाद के निरसा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में 10वीं के एक छात्र के साथ रैगिंग और मारपीट का मामला सामने आया है। शुक्रवार को इस घटना के विरोध में अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने स्कूल गेट के बाहर धरना प्रदर्शन किया। स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

प्रदर्शनकारी अभिभावकों ने आरोप लगाया कि विद्यालय में बच्चों की सुरक्षा को लेकर लगातार लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक छात्र की संदिग्ध मौत हुई थी, जिसे विद्यालय प्रबंधन ने पानी में डूबने की घटना बताया था।

अब एक और छात्र के साथ रैगिंग और बेल्ट से मारपीट की घटना सामने आने के बाद अभिभावकों में आक्रोश है। धरने पर बैठे लोगों ने मांग की कि धनबाद डीसी मौके पर आएं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दें।

### बच्चों का नाम स्कूल से कटवा लेंगे

उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। कुछ अभिभावकों ने यह भी कहा कि यदि विद्यालय की व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे अपने बच्चों का नाम स्कूल से कटवा लेंगे। घटना की सूचना मिलने पर निरसा के बीडीओ इंद्र लाल ओहदार, एसडीपीओ और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। बीडीओ ने बताया कि मारपीट की घटना की जांच की जा रही है। जांच के बाद सामने आए तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अभिभावकों का यह भी आरोप है कि विद्यालय में ऐसी घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं और प्रबंधन समय पर उचित कदम नहीं उठाता। इससे बच्चों और अभिभावकों में डर का माहौल है। फिलहाल विद्यालय परिसर के बाहर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और पुलिस हालात पर लगातार नजर रख रही है।

# रांची से भागलपुर के लिए दो स्पेशल ट्रेनें चलेंगीः56 फेरे लगाएगी, श्रावणी मेला को लेकर रेलवे की तैयारी

**रांची।** रांची रेलमंडल की सीनियर डीसीएम श्रेया सिंह के मुताबिक, यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने और उनकी यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए रांची से भागलपुर के बीच दो श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है।

ये दोनों स्पेशल ट्रेनें अलग-अलग रूट से चलेंगी और कुल 56 फेरे (28-28 फेरे प्रत्येक) लगाकर यात्रियों को सफर में बड़ी राहत देंगी। बता दें कि श्रावणी मेले के दौरान बिहार-झारखंड के रेल रूटों पर यात्रियों का भारी दबाव रहता है। रेलवे के इस फैसले से न सिर्फ रांची बल्कि मुरी, बोकारो, बरकाकाना और हजारीबाग के श्रद्धालुओं को भी भागलपुर और सुल्तानगंज जाने के लिए कंफर्म सीट मिलने में आसानी होगी।

# जमशेदपुर समेत कई जिलों में सुबह से झमाझम बारिशः खूंटी समेत 6 जिलों में भारी बारिश की संभावना

**रांची।** झारखंड में मानसून सक्रिय है और शुक्रवार को जमशेदपुर, रांची, गिरिडीह, बोकारो, चाईबासा समेत कई जिलों में झमाझम बारिश हुई।

वहीं, 20 जुलाई तक तेज रफ्तार हवा के साथ रोजाना बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में शुक्रवार को कहीं-कहीं गर्जन, वज्रपात के साथ 40-50ज्यरू॥ की रफ्तार से हवा चल सकती है।

पूर्वी-पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला खरसावां और निकटवर्ती मध्य क्षेत्र खूंटी और गुमला में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

वहीं, शनिवार को रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा, धनबाद और लातेहार-चतरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई। जबकि एक स्थान पर भारी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

सर्वाधिक बारिश 66.0 एमएम मंझारी (पश्चिमी सिंहभूम) में दर्ज की गई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री सेल्सियस पाकुड़ में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.0 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई परिवर्तन की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले तीन दिनों में इसमें दो-तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है।

# कोडरमा में हाथियों का झुंड शहरी इलाकों तक पहुंचा, रात में फसलों को पहुंचा रहे नुकसान

**कोडरमा।** कोडरमा में हाथियों का उत्पात लगातार बढ़ रहा है। ग्रामीण और जंगली इलाकों के बाद अब हाथी शहरी क्षेत्रों में भी देखे जा रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

रात के अंधेरे में हाथियों के विचरण से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। अब तक हाथियों के हमलों में कई लोगों की जान जा चुकी है, जिससे जंगल से सटे इलाकों में चिंता बढ़ गई है।

ताजा मामला मरकच्चो प्रखंड के बेरहवा जंगल का है, जहां लगभग 25 हाथियों का एक झुंड डेरा डाले हुए है। यह झुंड दिन में जंगल में रहता है और रात में किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है।

वर्तमान में, हाथियों के इस झुंड ने बेरहवा जंगल से सटे आसपास के गांवों में उत्पात मचाना शुरू कर दिया है। देर रात, झुंड ने नादकरी, महुआटांड और हरलाडीह गांवों में जमकर तोड़फोड़ की। इस दौरान, नादकरी, महुआटांड और हरलाडीह गांव के दर्जनों किसानों के खेतों में लगे धान के बिचड़े हाथियों ने रौंद दिए। ग्रामीणों ने लूप और पटाखे जलाकर काफी मशक्कत के बाद हाथियों को बगल के जंगल की ओर खदेड़ा। हालांकि, हाथियों के दोबारा हमले का डर अभी भी बना हुआ है। किसानों ने बताया कि उन्होंने मानसून की बेरुखी के बावजूद बड़ी मेहनत से धान का बिहन तैयार किया था। हाथियों द्वारा बिहन नष्ट किए जाने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रभावित किसानों ने प्रशासन से मुआवजे और हाथियों के आतंक से सुरक्षा के लिए स्थायी व्यवस्था की मांग की है। गौरतलब है कि कोडरमा में स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि शहरी इलाकों में भी हाथी देखे गए हैं, जिसके बाद इन क्षेत्रों में भी भय का माहौल बन गया है। इधर, हाथियों के बढ़ते उत्पात के बीच कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने इस मामले को गंभीर बताते हुए ग्रामीणों की सुरक्षा की मांग की है। विधायक ने वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि विभाग के लोग निष्क्रिय बने हुए हैं, जबकि दूसरी ओर जंगलों की कटाई लगातार जारी है।

### सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 9 | 4 | | 2 | | | 5 | 8 |
| 3 | | | | 8 | 4 | | | |
| 6 | | | 3 | | | | | |
| 9 | 4 | 3 | 7 | | 1 | 2 | 8 | 6 |
| 7 | | 2 | | 3 | 8 | 5 | 9 | |
| | | | | 9 | 6 | | | 4 |
| 2 | | | | | 3 | | 1 | 5 |
| | | | | | 9 | | 4 | |
| | 1 | | | 6 | | | | 3 |

### पिछले अंक का उत्तर

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 7 | 5 | 2 | 9 | 4 | 8 | 3 | 6 |
| 6 | 2 | 3 | 1 | 8 | 7 | 9 | 4 | 5 |
| 8 | 9 | 4 | 5 | 6 | 3 | 2 | 7 | 1 |
| 5 | 1 | 9 | 7 | 3 | 2 | 4 | 6 | 8 |
| 3 | 4 | 7 | 8 | 5 | 6 | 1 | 2 | 9 |
| 2 | 8 | 6 | 9 | 4 | 1 | 7 | 5 | 3 |
| 9 | 3 | 8 | 4 | 2 | 5 | 6 | 1 | 7 |
| 4 | 6 | 1 | 3 | 7 | 9 | 5 | 8 | 2 |
| 7 | 5 | 2 | 6 | 1 | 8 | 3 | 9 | 4 |

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

# आरोपी सैफ और अमन के घर एनआईए की छापेमारी

**रांची।** एनआईए ने रांची स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रांत कार्यालय पर हुए पेट्रोल बम हमले की जांच तेज कर दी है। गुरुवार तड़के एनआईए की टीम ने जेल में बंद मुख्य आरोपी सैफ अंसारी और अमन अंसारी के लोहरदगा स्थित आवास समेत कई अन्य संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की।

सुबह करीब 4 बजे शुरू हुई कार्रवाई कई घंटे तक चली। इस दौरान मोबाइल फोन, सिम कार्ड, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और कुछ संदिग्ध दस्तावेज जब्त किए गए। इन्हें फॉरेंसिक और तकनीकी जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है।

एनआईए की टीम जब अमन अंसारी के घर पहुंची तो मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज देने और कोशिश के बाद भी दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद टीम ने तुरंत क्रेन मंगवाई और उसकी मदद से छत पर पहुंचकर घर के भीतर प्रवेश किया। इसके बाद तलाशी शुरू हुई। सुबह-सुबह हुई इस कार्रवाई की खबर सुनते ही बड़ी संख्या में लोग वहां जुट गए।

# इंग्लैंड ने भारत को 4 विकेट से हराया: रूट 99 रन पर नाबाद रहे; विराट-श्रेयस की फिफ्टी काम नहीं आई, सीरीज 1-1 से बराबर

**कार्डिफ।** इंग्लैंड ने दूसरे वनडे में भारत को 4 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में गुरुवार देर रात 234 रन का पीछा करते हुए मेजबान टीम ने 44.1 ओवर में 6 विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया।

जीत के हीरो जो रूट रहे। वे 99 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अब सीरीज का फैसला 19 जुलाई को लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे वनडे में होगा।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की। कप्तान शुभमन गिल (31) और रोहित शर्मा (26) ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। गिल के आउट होने के बाद रोहित और विराट कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की।

रोहित के आउट होने के बाद ईशान किशन जल्दी लौट गए, लेकिन विराट ने श्रेयस अय्यर के साथ चौथे विकेट के लिए 67 रन जोड़कर टीम को 178/3 तक पहुंचा दिया। विराट ने 66 गेंद में 65 रन और श्रेयस ने 71 गेंद में 66 रन की पारी खेली।

### 55 रन में आखिरी 7 विकेट गिरे

भारत एक समय बड़े स्कोर की ओर बढ़ता दिख रहा था, लेकिन विराट के आउट होते ही पारी लड़खड़ा गई। टीम ने सिर्फ 55 रन जोड़कर आखिरी 7 विकेट गंवा दिए। आखिर में जसप्रीत बुमराह ने 13 गेंद में नाबाद 20 रन बनाकर स्कोर 233 तक पहुंचाया। भारत 44 ओवर में ऑलआउट हो गया।

इंग्लैंड से जोफ्रा आर्चर और गस एटकिंसन ने 3-3 विकेट लिए। साकिब महमूद ने 2, जबकि सैम करन और विल जैक्स को 1-1 सफलता मिली।

234 रन का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। जसप्रीत बुमराह ने मैच की पहली ही गेंद पर बेन डकेट को विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों कैच कराया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने जैकब बेथेल को आउट कर इंग्लैंड का स्कोर 8/2 कर दिया। गुरनूर बरार ने कप्तान हैरी ब्रूक को पवेलियन भेजा। ।

रूट ने पहले सैम करन (26) के साथ 41 रन और फिर जोस बटलर (17) के साथ 31 रन जोड़कर इंग्लैंड को संभाला। बटलर के आउट होने के बाद भारत ने मैच पर पकड़ मजबूत कर ली थी। हालांकि इसके बाद विल जैक्स (30) ने रूट का अच्छा साथ दिया। दोनों ने छठे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी।

### एटकिंसन ने विनिंग चौका लगाया

40वें ओवर में जैक्स के आउट होने के बाद गस एटकिंसन नने 16 गेंद में नाबाद 23 रन बनाए। उन्होंने रूट के साथ सातवें विकेट के लिए 38 रन की नाबादसाझेदारी की। जीत के लिए 1 रन की जरूरत थी, लेकिन एटकिंसन ने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर चौका जड़कर मैच खत्म कर दिया। इस कारण रूट 99 रन पर नाबाद रह गए। वह वनडे क्रिकेट में 99 पर नाबाद लौटने वाले 17वें बल्लेबाज बने।

**प्लेइंग-11**

भारत: रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, वॉशिंगटन सुंदर, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, गुरनूर बरार, प्रसिद्ध कृष्णा।

इंग्लैंड: बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), सैम करन, विल जैक्स, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, साकिब महमूद, आदिल राशिद।

## बिजनेस न्यूज

### सेंसेक्स 964 अंक उछला, निफ्टी 24,334 पर बंद; बैंकिंग, आईटी और ऑटो शेयरों में जोरदार खरीदारी

**मुंबई।** भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को शानदार तेजी के साथ सप्ताह का समापन किया। बीएसई सेंसेक्स 964 अंक की मजबूत बढ़त के साथ 78,151 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 261 अंक चढ़कर 24,334 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में बैंकिंग, आईटी और ऑटो सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी देखने को मिली, जिससे निवेशकों का उत्साह बढ़ा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के जून तिमाही के नतीजे जारी होने से पहले कंपनी के शेयर में करीब 2.5% की तेजी दर्ज की गई और यह 1,328 रुपए पर बंद हुआ। हालांकि, पिछले एक वर्ष के दौरान रिलायंस का शेयर लगभग 10% तक कमजोर रहा है। निवेशकों की नजर अब कंपनी के तिमाही नतीजों और भविष्य की रणनीति पर टिकी हुई है।

घरेलू बाजार में तेजी के विपरीत एशियाई बाजारों में भारी गिरावट देखने को मिली। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 6.37%, जापान का निक्केई 4.03% और हांगकांग का हैंगसेंग 1.78% लुढ़क गया। वहीं अमेरिकी बाजारों में भी गुरुवार को कमजोरी रही, जहां डाउ जोन्स, नैस्डैक और एसएंडपी 500 लाल निशान में बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 4,206 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,987 करोड़ रुपए की खरीदारी कर बाजार को सहारा दिया। पिछले सात दिनों से एफआईआई लगातार बिकवाली कर रहे हैं,

### सोना आज 415 सस्ता हुआ, इस हफ्ते 2,104 गिरा: चांदी 797 गिरी, सात दिन में 3,753 की गिरावट; जानें अपने शहर के दाम

**नई दिल्ली।** सोने-चांदी की कीमतों में 17 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 415 रुपए गिरकर 1,41,264 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले 16 जुलाई को यह 1,41,679 लाख पर था।

वहीं, एक किलो चांदी 797 रुपए घटकर 2,16,637 रुपए पर आ गई है, जो गुरुवार को 2,17,434 लाख रुपए पर थी। सोना के दाम इस हफ्ते 2,104 रुपए और चांदी के दाम 3,753 रुपए गिरे हैं। 10 जुलाई को सोना ?1,43,368 10 ग्राम और चांदी ?2,20,390 किलो थी।

#### ऑल टाइम हाई से 1.69 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 34,857 रुपए सस्ता हो चुका है।

वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 169 दिन में चांदी 1,69,296 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

#### सोना-चांदी पर इंपोर्ट ड्यूटी 6% से बढ़कर 15% हुई

केंद्र सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% कर दी है। सरकार का मकसद विदेशी खरीद कम करना और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को घटाना है। अमेरिकी-ईरान जंग के बीच सरकार ने ये फैसला लिया है।

सरकार ने सोने पर 10% बेसिक कस्टम ड्यूटी और 5% एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस लगाया है। इस तरह कुल प्रभावी टैक्स 15% हो गया है। इससे पहले 2024 के बजट में वित्त मंत्री सीतारमण ने इंपोर्ट ड्यूटी 15% से घटाकर 6% की थी।

## पीवी सिंधु जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में: ओकुहारा ने वॉकओवर दिया; अब चीन की चेन युफेई से खेलेंगी

टोक्यो। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गई। उन्हें क्वार्टर फाइनल में पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोआमी ओकुहारा ने वॉकओवर दे दिया।

सिंधु ने 3 साल बाद किसी सुपर-750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले वे 2023 डेनमार्क ओपन के टॉप-4 में पहुंची थीं।

यह 2026 सीजन में सिंधु का तीसरा सेमीफाइनल भी है। साल की शुरुआत उन्होंने वर्ल्ड रैंकिंग में 18वें स्थान से की थी, लेकिन शानदार प्रदर्शन के दम पर अब वह नौवें स्थान पर पहुंच चुकी हैं।

सेमीफाइनल में सिंधु का सामना चीन की पूर्व ओलिंपिक चैंपियन और विश्व नंबर-4 चेन युफेई से होगा। चेन ने क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की सिम यू जिन को 21-10, 21-12 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। सिंधु और चेन के बीच अब तक 14 मुकाबले हुए हैं, जिनमें चीनी खिलाड़ी 8-6 से आगे हैं।

खास बात यह है कि सिंधु पिछले पांच मुकाबलों में लगातार चेन से हार चुकी हैं। ऐसे में उनके पास इस हार के सिलसिले को तोड़ने और लगभग तीन साल बाद किसी सुपर-750 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने का सुनहरा मौका होगा।

चीन की हान यू को 35 मिनट में हराकर टॉप-8 में पहुंचीं पीवी सिंधु वर्ल्ड नंबर-5 चीन की हान यू को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने दूसरे दौर के मुकाबले को महज 35 मिनट में 21-16, 21-14 से जीत लिया। इस जीत के साथ सिंधु ने हान यू के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 8-1 कर लिया।

## पाकिस्तानी स्पिनर मोहम्मद नवाज डोप टेस्ट में फेल हुए: ICC ने लगाया 3 महीने का बैन, 1 मई से लागू माना गया प्रतिबंध

**स्पोर्ट्स डेस्क।** पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को ICC एंटी-डोपिंग कोड का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। नवाज ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है, जिसके बाद उन पर 3 महीने का बैन लगाया गया है।

अगर वे नशीले पदार्थों के इलाज से जुड़ा ट्रीटमेंट प्रोग्राम पूरा कर लेते हैं, तो इस प्रतिबंध के समय को घटाकर 1 महीना कर दिया जाएगा।

कोलंबो में हुआ था नवाज का डोपिंग टेस्ट 32 साल के नवाज का यह डोपिंग टेस्ट श्रीलंका के कोलंबो में हुआ था। 7 फरवरी को ढ्ढष्टष्ट मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के बाद उनका सैंपल लिया गया था। इस टेस्ट में नवाज के शरीर में प्रतिबंधित नशीले पदार्थ (कार्बोक्सी-ञ्ज।।ष्ट) के अंश पाए गए थे, जो ढ्ढष्टष्ट एंटी-डोपिंग कोड के तहत बैन है।

इसका संबंध खेल के प्रदर्शन से नहीं था नवाज ने अपनी इस गलती को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने यह साबित किया कि इस प्रतिबंधित पदार्थ का इस्तेमाल उन्होंने आउट-ऑफ-कॉम्पिटिशन (यानी खेल के समय से अलग) किया था। साथ ही इसका उनके खेल के प्रदर्शन को बेहतर करने से कोई संबंध नहीं था।

1 मई से लागू माना गया प्रतिबंध नवाज पर लगा यह 3 महीने का प्रतिबंध 1 मई 2026 से लागू माना गया है। 1 मई से उन्होंने अपना प्रोविजनल सस्पेंशन शुरू किया था। अब ढाई महीने का निलंबन पूरा करने और ट्रीटमेंट प्रोग्राम में शामिल होने के कमिटमेंट के बाद उनका प्रोविजनल सस्पेंशन हटा लिया गया है। अगर वे ढ्ढष्टष्ट की संतुष्टि के अनुसार इस ट्रीटमेंट प्रोग्राम को पूरा कर लेते हैं, तो उन्हें आगे कोई अतिरिक्त बैन नहीं झेलना होगा।

नीदरलैंड्स मैच और उसके बाद के रिकॉर्ड्स रद्द ढ्ढष्टष्ट एंटी-डोपिंग कोड के नियमों के तहत नवाज के कुछ मैचों के रिकॉर्ड्स को अमान्य कर दिया गया है।

## मर्सिडीज की 8 कंस्ट्रक्टर्स जीत और हैमिल्टन के 6 खिताब:300 सेंसर और एआई तकनीक से मर्सिडीज बनी फॉर्मूला-1 की सबसे सफल टीम

**लंदन।** फॉर्मूला-1 की रेस देखते समय हमारी नजर आमतौर पर ड्राइवर की स्पीड, ओवरटेक या आखिरी लैप पर टिक जाती है। लगता है कि जीत उसी की होगी जिसकी कार सबसे तेज होगी या जिसका ड्राइवर सबसे बेहतर होगा। लेकिन आज की फॉर्मूला-1 में एक और खिलाड़ी है, जो ट्रैक पर दिखाई नहीं देता। उसका नाम है- डेटा। इसी डेटा ने मर्सिडीज-एएमजी पेट्रोनास को दुनिया की सबसे मजबूत तकनीकी टीमों में शामिल कर दिया है।

रेस शुरू होते ही मर्सिडीज की हर कार सिर्फ दौड़ती नहीं, बल्कि लगातार 'बोलती' भी रहती है। कार में लगे करीब 300 सेंसर हर सेकंड 10 लाख से ज्यादा जानकारी टीम तक भेजते हैं। इंजन कितना गर्म है, टायर कितने घिस चुके हैं, ब्रेक कितने दबाव में हैं, ईंधन कितनी तेजी से खर्च हो रहा है, ड्राइवर कब एक्सिलरेटर दबा रहा है और कब ब्रेक लगा रहा है... हर छोटी-बड़ी चीज लगातार रिकॉर्ड होती रहती है।

ट्रैक पर ड्राइवर स्टीयरिंग संभाल रहा होता है, लेकिन सैकड़ों किलोमीटर दूर कंट्रोल रूम में इंजीनियर इन आंकड़ों को पढ़ रहे होते हैं। कई बार इन्हीं आंकड़ों से कुछ सेकंड में फैसला लिया जाता है कि ड्राइवर को पिट स्टॉप के लिए बुलाना है या नहीं, टायर बदलने हैं या नहीं, या फिर रणनीति पूरी तरह बदलनी है। यही कुछ सेकंड पूरी रेस का नतीजा बदल सकते हैं।

मर्सिडीज के आईटी डायरेक्टर माइकल टेलर 25 साल से टीम के साथ हैं। उनका मानना है कि पहले जीत का पैमाना सिर्फ स्टॉपवॉच थी, लेकिन अब कार के लगभग हर हिस्से को मापा जाता है। उनका सीधा-सा सिद्धांत है- जिस चीज को मापा जा सकता है, उसे बेहतर भी बनाया जा सकता है। हालांकि रेस के दौरान कार से लाइव डेटा भेजने की शुरुआत नई नहीं है। फॉर्मूला-1 में यह तकनीक 1980 के दशक से मौजूद है। ब्रिटेन के ब्रैक्ली में बने मर्सिडीज के विशाल टेक्नोलॉजी कैंपस में यही आंकड़े नई कारों का डिजाइन तय करते हैं।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

## तीसरा वनडे-न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हराया:सीरीज में 2-1 से आगे; लेनोक्स को 4 विकेट; विंडीज ने 19 रन पर 6 विकेट खोए

न्यूजीलैंड ने तीसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने 5 मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है।

गयाना में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 140/9 रन ही बना सकी। जवाब में न्यूजीलैंड ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

न्यूजीलैंड के स्पिनर जेडन लेनोक्स ने 52 रन देकर 4 विकेट लिए। उनकी गेंदबाजी के सामने वेस्टइंडीज ने अपने आखिरी 6 विकेट सिर्फ 19 रन के भीतर गंवा दिए।

### 121/3 से 140/9 पर पहुंची विंडीज

वेस्टइंडीज एक समय 3 विकेट पर 121 रन बनाकर मजबूत स्थिति में थी, लेकिन न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने मैच का रुख बदल दिया। माइकल ब्रेसवेल ने केसी कार्टी का विकेट लेकर साझेदारी तोड़ी।

अगले ही ओवर में शिमरोन हेटमायर भी आउट हो गए। फिर लेनोक्स ने निचले क्रम को समेट दिया। वेस्टइंडीज ने सिर्फ 19 रन जोड़कर अपने आखिरी 6 विकेट गंवा दिए और स्कोर 140/9 हो गया।

न्यूजीलैंड के स्पिनर जेडन लेनोक्स इस जीत के सबसे बड़े हीरो रहे। पिछले मैच में 5 विकेट लेने वाले लेनोक्स ने इस मुकाबले में भी 52 रन देकर 4 विकेट झटके। उन्होंने किसी बाइलैटरल वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड के स्पिनर के सबसे ज्यादा विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

पारी के छठे ओवर में वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल सिंगल लेने के लिए दौड़े, लेकिन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आने से मैदान पर गिर पड़े। दर्द ज्यादा होने के कारण उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया और वे रिटायर्ड हर्ट हो गए। यहां से केसी कार्टी और शिमरोन हेटमायर की साझेदारी ने वेस्टइंडीज को एक समय 3 विकेट पर 121 रन की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

स्टार बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर की इस मैच में वापसी हुई। वे मेजर लीग क्रिकेट (रू्रुष्ट) खेलकर सीधे टीम से जुड़े थे और उनका किट बैग भी समय पर नहीं पहुंच पाया था। हेटमायर ने जेडन लेनोक्स के खिलाफ दो शानदार छक्के लगाए और केसी कार्टी के साथ अहम साझेदारी की।

## वन विभाग की अभिनव पहल से निःशुल्क पौधों का होगा वितरण, पर्यावरण संरक्षण का दिया जाएगा संदेश

# आज लगाया गया हर पौधा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार बनेगा : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। आमतौर पर एटीएम का नाम सुनते ही लोगों के मन में पैसे निकालने वाली मशीन की तस्वीर उभरती है, लेकिन जशपुर वन विभाग ने पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल करते हुए 'ट्री एटीएम' की शुरुआत की है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बगिया हेलीपैड परिसर में इस अनूठे मोबाइल ट्री एटीएम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पहल आम नागरिकों तक पौधों की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता को नई गति प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर स्वयं ट्री एटीएम से आंवला का पौधा प्राप्त किया तथा उपस्थित लोगों को भी पौधों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि यह मोबाइल ट्री एटीएम जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर आम नागरिकों को निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराएगा। इससे अधिक से अधिक लोग पौधरोपण से जुड़ेंगे और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी को नया विस्तार मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर वन विभाग की इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि 'ट्री एटीएम' लोगों को सहज और सरल तरीके से पौधे उपलब्ध कराने का एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वर्षा ऋतु पौधरोपण के लिए सबसे उपयुक्त समय है। ऐसे समय में यह पहल लोगों को विभिन्न प्रजातियों के पौधे आसानी से उपलब्ध कराएगी, जिससे व्यापक स्तर पर पौधरोपण को बढ़ावा मिलेगा और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को नई मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' महाअभियान ने पूरे देश में पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई चेतना का संचार किया है। इसी अभियान से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ में भी व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसके वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक पौधरोपण कर 'एक पेड़ मां के नाम' महाअभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि 'एक पेड़ मां के नाम' महाअभियान के अंतर्गत प्रारंभ किए गए ट्री एटीएम को 'आज का पौधा, आने वाली पीढ़ियों की छांव' के प्रेरक संदेश के साथ रवाना किया गया। इस अभिनव पहल के तहत केवल निःशुल्क पौधों का वितरण ही नहीं किया जाएगा, बल्कि पौधा प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण की वैज्ञानिक एवं सही विधि, नियमित देखभाल, संरक्षण तथा पौधे को वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखने के उपायों की भी जानकारी दी जाएगी। इसका उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उनके संरक्षण और जीवित रहने की दर को बढ़ाना है, ताकि पर्यावरण संरक्षण का यह अभियान दीर्घकालिक और प्रभावी बन सके।

## एक दिन में 5 हजार से अधिक किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन

**रायपुर।** खेती-किसानी को डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में राजनांदगांव जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में चलाए गए विशेष अभियान के तहत एक ही दिन में 5 हजार से अधिक किसानों का फार्मर लैंड आईडी (एग्रीस्टेक) पंजीयन एवं सत्यापन कराया गया। अभियान का उद्देश्य किसानों के भूमि रिकॉर्ड को अद्यतन कर आगामी धान खरीदी, डिजिटल गिरदावरी और विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के उपलब्ध कराना है।

अभियान के दौरान कृषि, राजस्व और पंचायत विभाग ने समन्वित रूप से कार्य किया। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, पटवारी, ग्राम सचिव तथा अन्य मैदानी अमले ने किसानों से संपर्क कर उन्हें निकटतम सेवा सहकारी समिति, लोक सेवा केंद्र और चॉइस सेंटर तक पहुंचाया। यहां किसानों की फार्मर लैंड आईडी में छूटे हुए खसरे, भूमि के रकबे तथा अन्य आवश्यक जानकारियों का सत्यापन और सुधार किया गया। इसके लिए सेवा सहकारी समितियों में विशेष रूप से ऑपरेटर भी तैनात किए गए।

## आईएफसी परियोजना ने बदली जिंदगी :नर्सरी उद्यमी बनकर बनी आत्मनिर्भरता की नई पहचान

**रायपुर।** कभी सीमित संसाधनों के बीच खेती तक सिमटी नीलू वर्मा आज ग्रामीण महिला उद्यमिता की मिसाल बन गई हैं। आईएफसी (इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर) परियोजना से जुड़ने के बाद खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्राम कोहकाबोड़ की नीलू ने नर्सरी व्यवसाय को न केवल सफल बनाया, बल्कि आसपास की महिला किसानों के लिए भी रोजगार और गुणवत्तापूर्ण पौधों का भरोसेमंद केंद्र तैयार कर दिया। कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कल गुरुवार को नीलू वर्मा की नर्सरी का निरीक्षण कर उनके प्रयासों की सराहना की। कलेक्टर ने कहा कि कृषि आधारित नवाचार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। नीलू वर्मा ने वर्ष 2025 में आईएफसी परियोजना से जुड़कर नर्सरी उद्यम की शुरुआत की थी। शुरुआती दौर में 30 हजार टमाटर के पौधे तैयार कर उन्होंने छह महिला किसानों को 19,332 पौधे बेचे और पहली ही खेप में 5,790 रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया। इसके बाद उन्होंने शासकीय उद्यान नर्सरी, पेंड्री (राजनांदगांव) में प्रशिक्षण लेकर आधुनिक तकनीकों को अपनाया। उद्यानिकी विभाग की 1.70 लाख रुपये की अनुदान सहायता से तैयार नेट संरचना ने उनके उद्यम को नई गति दी। आज उनकी नर्सरी में टमाटर, मिर्च, बैंगन, फूलगोभी और करेला सहित 2.45 लाख से अधिक पौधे तैयार किए जा चुके हैं। इनमें से 96 हजार से अधिक पौधों का विक्रय 30 महिला किसानों को किया गया है, जिससे 1.18 लाख रुपये से अधिक की आय हुई। बढ़ती मांग को देखते हुए नीलू अब रैक सिस्टम आधारित पौध उत्पादन की तैयारी कर रही हैं।

# निश्चय कार्यक्रम से आत्मनिर्भर बन रहीं महिला बंदी, रायपुर सेंट्रल जेल में तैयार हो रहा स्वादिष्ट अचार

### निश्चय कार्यक्रम से आत्मनिर्भर बन रहीं महिला बंदी

**रायपुर।** रायपुर सेंट्रल जेल में तैयार हो रहा स्वादिष्ट अचारकेंद्रीय जेल रायपुर में महिला बंदियों के सर्वांगीण सुधार और समाज की मुख्यधारा में उनके सम्मानजनक पुनर्वास के लिए एक अनूठी पहल की शुरुआत की गई है। जेल प्रशासन द्वारा संचालित निश्चय कार्यक्रम के अंतर्गत महिला बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे जेल के भीतर ही उनके रोजगार की राह आसान हुई है।

केन्द्रीय जेल रायपुर में विभिन्न अपराधों के तहत बंद 60 महिला बंदियों को बेसिक ऑफ पिकल (अचार) एवं मसाला निर्माण के व्यावसायिक उत्पादन का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य महिला बंदियों को स्वयं की व्यावसायिक इकाई स्थापित करने के योग्य बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान इन बंदियों को खाद्य उत्पादों के निर्माण और उनकी उत्तम गुणवत्ता नियंत्रण, स्वच्छता, पैकेजिंग एवं सुरक्षित भंडारण से संबंधित व्यावहारिक जानकारियां दी गईं। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद महिला बंदियों ने जेल के महिला प्रकोष्ठ में ही नियमित रूप से अचार का निर्माण शुरू कर दिया है।

महिला बंदियों द्वारा जेल के भीतर पूरी स्वच्छता के साथ आम, नींबू, गाजर और लहसुन जैसी विभिन्न वैरायटियों के स्वादिष्ट और हाइजीनिक अचार तैयार किए जा रहे हैं। इन गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की बिक्री के लिए व्यवस्था की गई है। तैयार उत्पादों को केंद्रीय जेल परिसर स्थित आस्था मुंगोडी सेंटर (आस्था गृह उद्योग स्टॉल) और जेल कैंटीन के माध्यम से आम नागरिकों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। इस बिक्री से होने वाली आय का एक हिस्सा सीधे इन महिला बंदियों के खातों में जमा किया जा रहा है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं।

### जेल सकारात्मक परिवर्तन का केंद्र- जेल अधीक्षक

इस सराहनीय पहल को लेकर केंद्रीय जेल रायपुर के अधीक्षक श्री योगेश सिंह क्षत्री ने कहा कि जेल केवल दंड देने का स्थान नहीं है, बल्कि यह जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का भी एक केंद्र है। जेल महानिदेशक श्री हिमांशु गुप्ता के मार्गदर्शन में जेलों में चलाए जा रहे निश्चय कार्यक्रम के माध्यम से महिला बंदियों को रोजगारपरक कौशल प्रदान किए जा रहे हैं। यह कौशल उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ रिहाई के बाद समाज में सम्मानपूर्वक जीने और आजीविका अर्जित करने में सहायक सिद्ध होगा। जेल प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि बंदियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इस प्रकार के रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी निरंतर संचालित किए जाते रहेंगे।

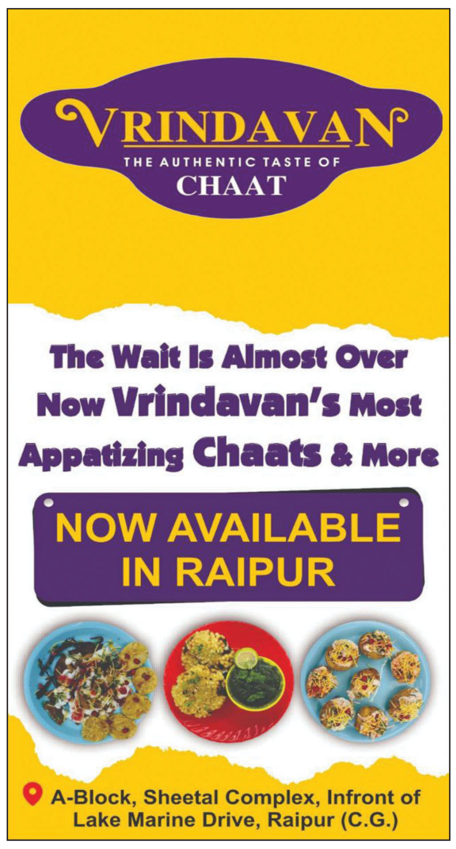

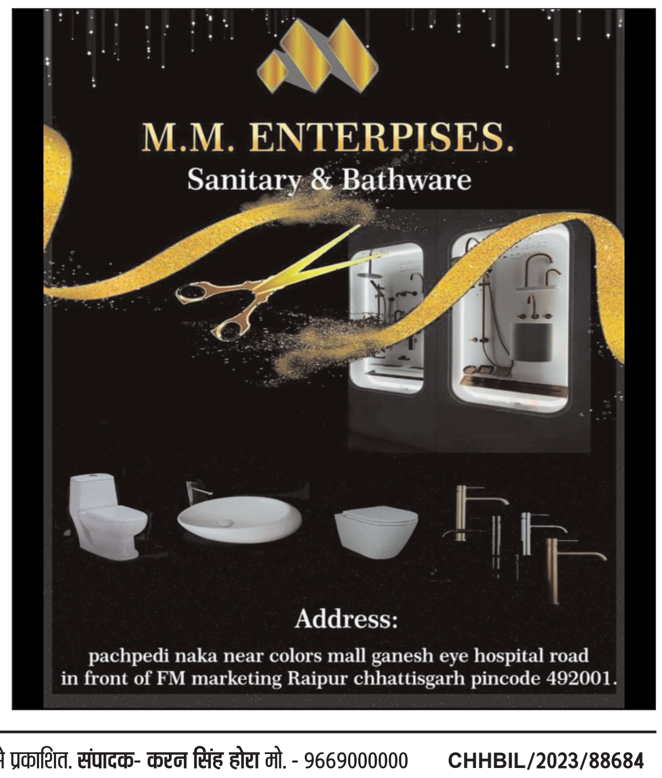


स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684